

Price: 125/- Price: 125/-Price: 125/-

# MARKETING MANAGEMENT

### Dr B. S. GITE

### © 2020 by Author

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted, in any form or by any means, without prior permission of the author. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages. [The responsibility for the facts stated, conclusions reached, etc., is entirely that of the author. The publisher is not responsible for them, whatsoever.]

# ISBN- 978-1-71665-275-2

Published by, Lulu Publication 3101 Hillsborough St, Raleigh, NC 27607, United States,

Printed by,

It gives me an immense pleasure to present this first edition of revised book on subject Marketing Management 1. B.COM. Third year syllabus (w.e.f.2018-2019) Semester Vth (CBCS Pattern) The book is written strictly as per the revised syllabus of Swami Ramanand Teerth Marathwada University.

The book is focused over understanding various Marketing Management strategies which influence modern era of marketing in many ways. This book is planned and organized skilfully to develop the interest among learners. Today, in competitive scenario, Customer is the most important element in the entire marketing process all events of marketing open and closing with the customers. In modern era marketing is everywhere it focus online as well as offline world.

The syllabus is covered in a simple and lucid language with suitable examples, charts and diagrams. The book covers all topics in the form of separate chapters at the end of each chapters Conclusion, Keywords and Questions are given for self-practice.

I hope, the book will meet all requirements of learner in their regular study. suggestions for improvement will be warmly appreciated from students, Teachers and well-wishers.

In writing this book, the author heavily drawn on the works of many gurus and well-known authors on the subject. The authors thus, takes this opportunity to acknowledge their appreciation to all those authors whose work they have referred to with mention or without mention, in the course of their discussion in the book.

Author

Dr B. S. GITE

HUMAN RESOU

ROMA P BHAGTIANI

© 2620 by Authors

the author. Any person who this publication may be liab All rights reserved. No part transmitted, in any form or for damages. [The respons responsible for them, whats reached, etc., is entirely

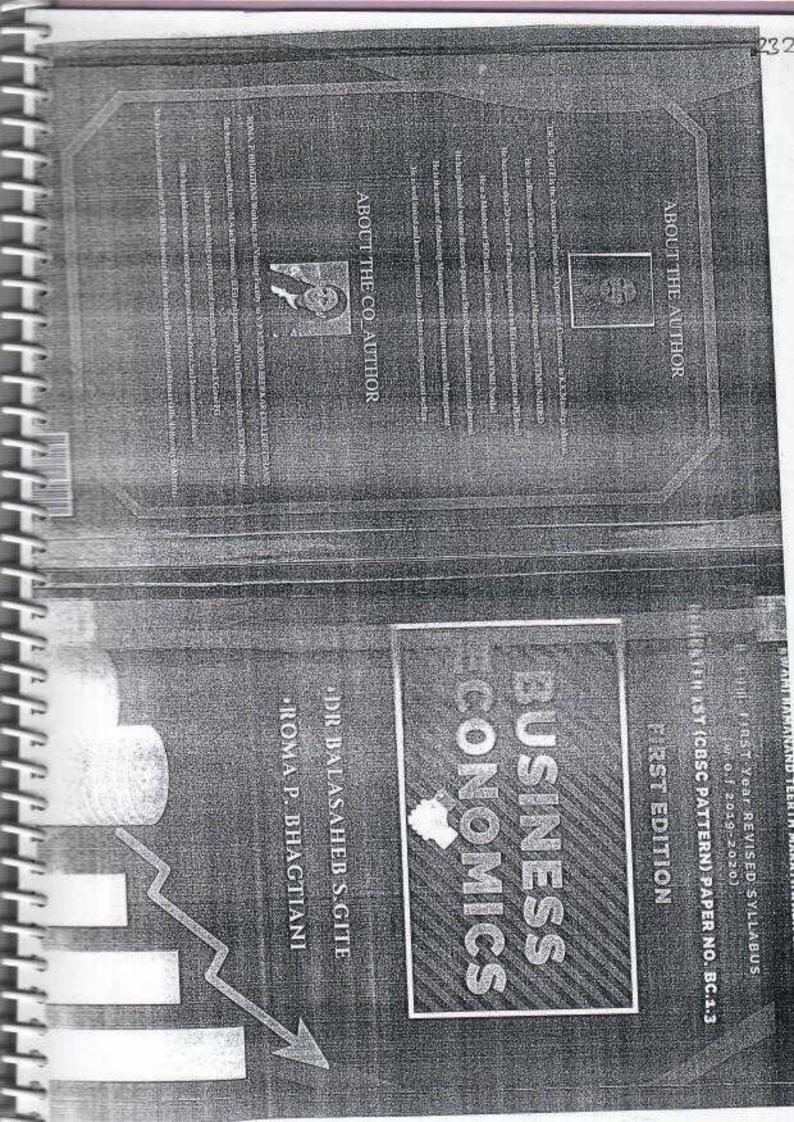
ISBN-978-1-71665-527

3101 Hillsborough St, Raleigh, NC 27607, Lulu Publication Published by, United States.

Printed by,

ALLALL LALLA

ELTRA



Price: 150/-

## **Business Economics**

### Dr. B. S. GITE ROMA P BHAGTIANI

### © 2020 by Authors

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted, in any form or by any means, without prior permission of the author. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages. [The responsibility for the facts stated, conclusions reached, etc., is entirely that of the author. The publisher is not responsible for them, whatsoever.]

# ISBN-978-1-71665-521-0

Published by, Lulu Publication 3101 Hillsborough St, Raleigh, NC 27607, United States.

Printed by,

12122222222000

It gives us an infinite pleasure to present this first edition of revised book on subject Business Bconomics FYBCOM SEM 1. The book is written strictly as per the revised syllabus of Swami Ramanand Teerth Marathwada University. The subject knowledge of economics is vital to carry out economic activities productively. The syllabus is covered in a simple, and easy language with examples, charts, diagrams. The book covers all topics in the form of separate chapters. At the end of each chapters Conclusion, Keywords and Questions are given for selfpractice.

we hope this book will satisfy both the teachers and the taught suggestions for improvement are welcome from students. Teachers and well-wishers, In writing this book, the authors heavily drawn on the works of many gurus and well-known authors on the subject. The authors thus, takes this opportunity to acknowledge their appreciation to all those authors whose work they have referred to with mention or without mention, in the course of their discussion in the book.

Authors

### SWAMI RAMANAND TEERTH MARATHWADA UNIVERSITY, NANDED

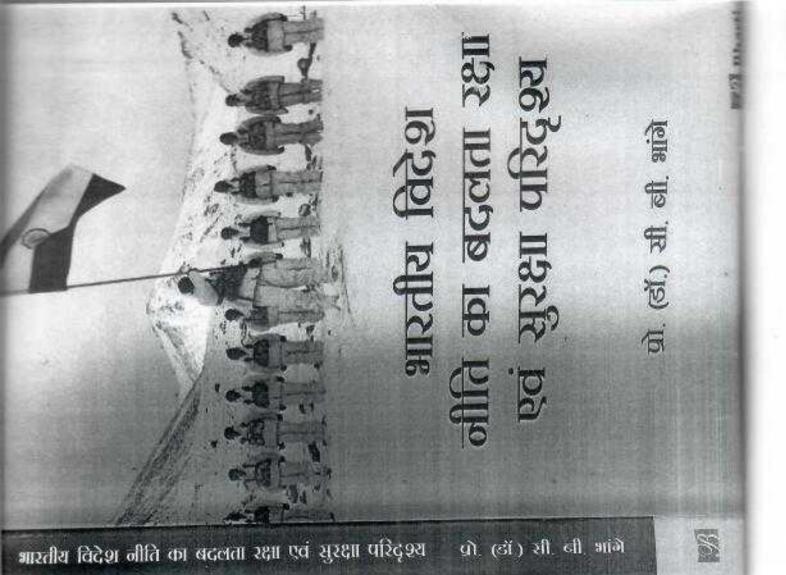
37

B. Com. Second Year Syllabus ( w.e.f 2020-2021 )

omester III ( CECS Patterns) Paper No. EC3.2 Hantsternation



-Dr BALASAHEB S.GITE





E-mail: info@bharfpublications.com. • bharfpublications@omail.com. Bharti Publications, New Delhi www.bharlipublications.com



करेली, नरसिंगपुर मध्यप्रदेश द्यारा अकैडमीक रिसर्च अवार्ड 2020 द्वारा सम्मानित वित्र्या कॉलेज करेली, नरसिंगपुर मध्यप्रदेश द्वारा अकैडमीक रिसर्च अवार्ड 2020 द्वारा सम्मानित वैद्य परितोषिक, स्वर्गीय मेजर जनरल वाई. एस. परांजपे परितोषिक, महात्मा गांधी पीजी कॉलेज विश्वविधालय धुंझुतु, राजस्थान में शोष मार्गदर्शक के रूप में कार्यरत है। और वर्तमान में उनके मार्गवर्शन में 2 छात्र पी. एच. डी. शोष कार्य कर रहे है। डॉ. मांगे जी को कई बोर्ड सदस्यता प्राप्त है, जैसे सैन्य विद्यान में बोर्ड ऑफ स्टडीज (बी ओ एस) के अध्यक्ष तथा सदस्य शैक्षणिक अप्रैल/ मई 1997, रक्षा अध्ययन में श्री दत्त प्रसन्ना कटारे परितोषिक, स्वर्गीय जनरल अरुण कुमार वैद्य परितोषिक, स्वर्गीय मेजर जनरल वाई. एस. परांजपे परितोषिक, महात्मा गांधी पीजी किया गया।, रक्षा अष्ययन में श्री दत्त प्रसन्ना कटारे परितोषिक, स्वर्गीय जनरल अरुण कुमार औरंगाबादा डॉ. थांने जी को विविध पुरस्कार प्राप्त है जैसे स्वर्गीय ज्ञान देव मोहेकर परितोष्घ B. A. तृतीय वर्ष 1995, सैन्य विज्ञान में विश्वनाथ पार्वती गोखले ट्रस्ट फंड पुरस्कार विश्वविद्यालय, नांदेड़ में शोष मार्गदर्शक के रूप में कार्यरत हैं और वर्तमान में उनके मार्गदर्शन में 4 छात्र पी. एच. डी. श्रीथ कार्य कर रहे हैं। साथही वे श्री जगदीश प्रसाद झांबरमल परिषद स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नदिङ, साथही सैन्य विद्यान में बोर्ड औप स्टडीज (बी ओ एस) के सदस्य, डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्याल मार्गदर्शन भी किया है। स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ -

आ. (डा.) चंद्रकात बन्सीथर भांगे, पुणे विश्वविद्यालय से 1997 में पोस्ट क्रेजुएशन, 1998 में पी एच. डी. किये हुए है। वर्तमान में सैन्य विक्षान के सेट परीक्षा उसीर्ण लया 2003 में पुणे विश्वविद्यालय से कार्यस्त है। डॉ. मांगे जी ने अंतराष्ट्रीय सम्मलेन, राष्ट्रीय सम्मेलन, राज्य सम्मेलन एवम अन्य कई सारे अनुसंधान कार्यों में योगदान दिया है। साथ ही कई अनुसंघान मे ब्रोफेसर और विभागाव्यक्ष, एमएसपी मंडल के झिवाजी कॉलेज परभणी-431 401(महाराष्ट्र)



|   | Якана-п |  |   |  | हमें यह पुस्तक "भारतीय विदेश नीति का बदलता रक्षा एवं सुरक्षा परिपूर्ध"<br>वाचकों को सींपले हुए अत्याधिक प्रसन्नता हो रही है। इस पुस्तक का लक्षा<br>भारत की विदेश नीति के विभिन्न आयामों के बारे में लोगों को जानकारी देना<br>है। परिदृश्य और विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं का अध्यायन करने वाले छात्री<br>और शोधकर्ताओं के लिए यह पुस्तक बहुत उपयोगी होगी। इस पुस्तक की एक<br>उल्लेखनीय विशेषता यह है कि शोध कर्ताओं ने अपने होगी। इस पुस्तक की एक<br>उल्लेखनीय विशेषता यह है कि शोध कर्ताओं ने अपने होगाना हमा में वर्तमान घटनाक्रमें<br>और मास्त की विदेश नीति पर ऐतिहात्तिक विचारों से लेकर सहापरिशिक्षती के<br>कारे में विस्तुत लेखन किया है। |                     |                         | दक्षिण पूर्व एशियाई मंच को संबोधित करते हुए. विदेश मंत्री सुब्रह्मण्धान<br>जय शंकर ने आगस्य २०२० में आपने वैषिकक आधिक जुड़ाव में "रणनीतिक स्वायतता" भारत<br>के लिए भारत की नई खांज को रेखांकित किया। "सामरिक स्वायतता" भारत<br>के शीत युद्ध के बाद की कुटनीति के छात्रों के लिए एक परिचित विधार है।<br>जय शंकर का विदेशी आधिक नीति में विस्तार मारत के आंतरपाष्ट्रीय संबंध<br>के विकास में एक महत्वपूर्ण बण है। जिसकी वजह से मारत ने अपने सामरिक<br>एवं पुरखा निती में मंबिष्य होने वाले क्वाल से मारत ने आपने सामरिक<br>एवं पुरखा निती में मंबिष्य होने वाले बरताव का संकेत दिया है। यह सुनिधिषत<br>करणे के तिए, जय शंकर की "रणनीतिक स्वायतता" प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी की<br>एक नई आधिकरण नीति के परिशिष्ट के लिए प्राकृतिक बाहरी पुरक है, लिल<br>"आतमिभेर भारत" या "आतनिर्भरता" के रूप में वर्गित किया गया है। इस<br>परक नई आधिकरण नीति के परिशिष्ट के लिए प्राकृतिक बाहरी पुरक है, लिल<br>"आतमिभेर भारत" या "आतनिर्भरता" के रूप में विधेत किया गया है। इस<br>बरततो सामरिक एव सुरक्षा परिशृष्ट के लिए प्राकृतिक बाहरी पिरका होन<br>महत्वपूर्ण है। जिसकी वजह से विदेश निती संबंधित कुछ नए आयामों पर प्रकास<br>डांसा जायेगा। आज भारत वैदिवक मंत्र परक तेजी से महत्वपूर्ण विरकाही<br>बन गया है, विद्वानों ने परिहारता – संबंधी का विरक्षेण करने और भविष्य<br>की वाकांक्षाओं की भविष्य वाणी करने के लिए इसकी ि कदेता नीति के प्रपूर्व<br>की वाकांक्षाओं की भविष्य वाणी करने के लिए इसकी ि कदेश नीति के प्रपूर्व<br>प्रत्तात्र पर इसा परिवध वाणी करने के लिए इसकी ि कदेश नीति के प्रपूर्व<br>प्रत्तात्र पर इसा परकार में प्रकार वर्ष प्रकार करी भा कि हो भारता की तिका |                  |                                 |                            |                                     |                                     |                                      |   |   |
|---|---------|--|---|--|--|---------------------|-------------------------|--|------------------|---------------------------------|----------------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|--------------------------------------|---|---|
| * |         |  | सर्वाधिकार सुरक्षित 🕲 प्रो, (डॉ.) सी. बी. मांगे, 2021 | ्र, <b>पुस्तक शीर्षकः</b> भारतीय विदेश नीति का बदलता रहा एवं सुरक्षा परिंदृस्य | संपादचडः प्रो. (डॉ.) सी. बी. भांगे   | प्रथम संस्करण: 2021 | ISBN: 978-93-90818-80-8 | प्रकाशक:   | भारती पबिलकेशन्स | 4819/24, तीसरी मजिल, अंसारी रोड | इरियागंज, मई दिल्ली-110002 | फोन ने.: 011-23247537. 9899897381 + | ई-मेल: bhartipublications@gmail.com | Website : www.bhartipublications.com | मुब्रक : एस. पी. कौशिक एंटरप्राइबेज, दिल्ली | पुस्तक में दी गई विषय बस्तु पूर्ण रूप से लोकक के अपने किनार हैं। प्रकारणक<br>किसी भी विषय बस्तु के लिए जिम्मेजर नही है। हम प्रकारण का कोई भी हिस्स<br>किसी के द्वारा पुनरुत्भादित या प्रेषित बिना अनुपति के नहीं किया जा सकता है।<br>इस प्रकाशन के संबंध में किसी भी व्यक्ति द्वारा अनभिष्ट्रत कार्य या नुकसान के<br>लिए आपसधिक अभियोजन के लिए वह व्यक्ति उत्तरदायी होगा। |

3 city

41.

EP.I

सराहना की जानी चःडिए। आपके सुझाव, प्रतिक्रिया और रचनात्मक आठोचना युस्तक में योगदान दिया। उसी तरह, हम उन सभी शुमविंतकों के आमारी हैं भारती प्रकाशन को भी धन्यवाद देते हैं उन्होंने इस पुस्तक को इतने कम समय मयासों की पाडकों और शोककर्ताओं से बहुमूल्य समर्थन और प्रतिक्रियाएं द्वारा शोधपत्रों को पुस्तक में शामिल किया। हमें ऐसा लगता है की यह पुस्तक भारतीय विदेश नीति को समझने के लिए अनुसंधान कता एवं विकित्सकों के लिए उपयोगी साबित होगा। हम जन लेखकों और शोधकतांओं के आभारी है जिन्होंने इस जेन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हमारी मदद की। अंत में, हम प्रकाशक में.और लोगों के सामने पेश किया। हमें खम्मीद है कि हमारे द्वारा किए गए निती की बेहतर समझ के लिए इमने "भारतीय विदेश नीति का बदलता रक्षा एवं सुरक्षा परिदृश्य" पुरतक संकलित करने का निर्णय लिखा। तथ हमने पुस्तक के लिए भारतीय विदेश नीति से जुडे शोध लेख आमंत्रित किए। अनुसंधान की समीक्षा के चाद हमने पुस्तक के लिए उपयुक्त लेखों का चयन किया और उम का निरंतर सुधार के लिए हमेशा स्वागत किया जाएगा।

विषय सूची

धन्यवाद ।

N

-

中 카마 관

म्रो. जॉ. चंद्रकॉत बन्सीधर भागे एवं श्री. देविदास विजय मोसले मारतीय विदेश नीति को निर्वारित करनेवाले तत्व 3.' नरेंद्र भोदी के काल में मारत की विदेश नीति भारत-श्रीलंका संबंध वर्तमान और मविष्य मारतीय विदेश-नीति के प्रमुख सिद्धान्त भी आमलपुरे सूर्यकांत विश्वनाथ हों. आभा पाण्डेय अपनेय कुमार IPPERSY P

2

5

33 भारत–पाकिस्तान सीमा वाद मारत - बांग्लादेश संबंध प्रा. हॉ. लॉडने पंडित अपविंद कुमार ŝ

P

28

- बीनी विस्तारवाद की संकल्पनाएं तथा मारतीय सुरक्षा नीति 47 वीं लखन सिंह कुशरे r.
  - 6 प्रा. योगेश टेकाले एवं डॉ. सुमान जावव मारत की अंतर्राष्ट्रीय नीती और सुरक्षाः आईएसआईएस संगठन एक चुनौती ....

भरत मौर्या एवं सदीप मारत जापान संबंध

89

(10)

मारतीय विदेश नीति का बदलता रहा। एवं शुरहा। परिदृश्य

ş



ñ

Greened

आखिष में देखा जाए तो वर्तमान समय में दोनों देशों के संबंध मित्रतापूर्ण को मदद से भारत के लिए बंगलादेश अति महल्पपूर्ण पड़ोसी देश है। बंग्लादेश की मदद से भारत अपने पूर्ववर्ती क्षेत्रों से अच्छी कनेकिटविटी बना सकता है। वहीं वर्तमान समय में परिरिधातिया भारत के प्रतिकूल दिखाई दे रही है।एक तरफ भारत और चीन के बीच गालवान घाटी में तनाव बना हुआ है। वहीं पाकिस्तान तो सदैव ही भारत को घेरने की कोशिश करता रहा है। वहीं नेपाल की बात करें तो वर्तमान समय ब्रे मारत और नेपाल के संबंध भी अच्छे नहीं है। दोनों देशों के संबंधों में कडवाहट पैदा हो गई है। इसके लिए भारत को बंग्लोचे देशों के संबंधों में कडवाहट पैदा हो गई है। इसके लिए भारत को बंग्लोचे से मित्रता पूर्ण संबंध बनाने में ही फायदा है।

### सन्दम

- मारतीय विदेश नीति भूनंडतीकरण के चौर में, सजैश मिश्रा, ओरियंट पश्चिकेशन (तीसरा सांस्करण)
- अन्तर्राष्ट्रीय शाजनीति, डॉ.बी.एल.एव डॉ. कुलदीप फडिय्या झाहित्य भवन पबिलकेशन (20वां खंशोधित संस्करण 2019)
- 21वी जाताकी में अंतरराष्ट्रीय संबद्ध, पुर्धेत्व पत.एम या दिल पबिलकेशन, (पंचम संस्करण)
  - अंतरराष्ट्रीय संबंध, तपन विस्वाल, ओरियंट पश्चित्तेशन (दितीय संस्वरण)

# भारत-पाकिस्तान सीमा वाद

मा. औ. लांडगे पहित \*

मारत ने आज तक सभी दोशों के साथ अच्छा राजनैतिक संबंध प्रश्मापीत किया है। भारत-पाक कि बात की तो भारत और पाकिस्तान से संबंध हमे॥ से डी ऐतिहासिक और राजनैतिक पुद्यों कि बजह से तनाव मे रहे है। इन देशों में इस रिश्ते का मूल वजह भारते विभाजन के देखा जाता है। कश्मीर और सीमापाक इन दोनों देशों को आज तक उल्डाए है और दोनो देश कई बार इस विवाद को लेकर सैनिक, दहशतवादी कारवाई कर धुके है। इन देशों में तनाव मैंजूद हे जबकि दोनों ही देष एक दुजे के इतिहास, सम्पता, भूगोल और अर्धवावस्था से जुढे हुए है।

भारतीय उपमहाद्वीप मे विभाजन के साथ कट्टर प्रतिद्वंदिता के कारण पाकिस्तान का निर्माण हुआ और यह ऐतिहासिक आधार भारत-पाकिस्तान के संबंध को आज भी प्रभावित कर रहा है। जहां भारत का निर्माण लोकतांत्रिक-पंधनिर्श्वेत्व एवं बहुलवादी राज्य के रूप में हुआ, वही पाकिस्तान का निर्माण धार्मिक आधार बनाया। दोनो के बीच जलन जलन विवाद के प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित है। 1.काश्मीर मुद्दा 2 लिंधु नदी जल विवाद मुद्दा 3. पियाधिन विवाद 4. आतंकवाद को मुद्दा 5. सर क्रीज विवाद 6 चीन-पाक आधिक गलियाण 7. सीमावाद इन विवादो के चक्कर मे आज तक भारत-पाक मे संघर्श थल रहा है। भारत-पाक सीमावाद के मुद्दे –

## 1. सीमा प्रबंध और सुरक्षा

भारत और पाकिस्ता के बीच 3.323 किलोमीटर लंबी आंतरराष्ट्रीय सीमा है। यह देखते हुए कि सीमा के आस पास एक तनाव पूर्ण स्थिती रहती है। भारत की स्टैंडिंग कमिटी ने सुझाव दिया को सीमा सुरक्षा को मजबूती देने और worldeftunger fiberer unger if deren werfebriesen wersen in norsensenste

| 42 मारतीय विदंश नीति का बदलता रक्षा एव भुरक्ता परिदृश्य<br>उसे आधुनिक बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है। कमिटीने<br>जीमा के आग माम मार्क्ते की कामत फिल्की का लिक कार कर गर के मान्ये  | भारत-पाकिस्तान सीमा बाद<br>19771 टॉक बनी रही। 1971 में बॉग्लादेंग युग्द के परलद में प्रांथ में कार्भिय  |
|---|---|
| र्णामा क आरम-मास संडका का खराब एखांग एथ विता व्यक्त कर उसने सुझाव<br>दिया की समयबस्ट तरीके से व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली को तैयार<br>किया जाए। इसके अतिरिक्त भारतीय तट रक्षक और दुसरी एजेंसियों के बीच<br>उच्च स्तरीय समन्वय रथापीत करके तटीथसरक्षा और धौंकसी को मजबूत किया<br>जाना चाहिए। दन एजेंसियों में यायतीय तौंचेता केंटीप औंकोंपिक सप्तम बन | पर आउग्रमण किया जिससे नियंत्रण देखा के दोनों और योगी देशों में एक पुरुत<br>की चौकियों पर नियंत्रण किया था। भारत को गिवंत्रण रेखा के जल्ली भाग<br>में षिमसा खचडोता के बाद नियंत्रण रेखा को एन तक के लिए बसार फिया<br>गया: जब तक कि दोनों देंब सीमा का मसला सुलक्षा नहीं लेते।                            |
| करटन और बंदरगाह आते हैं। भारत-पाक के जटित संबंध के बारे में बात<br>किंगा जान के महिल्लान की नगर गर किंग की जीत की किंग के किंग के किंग के   | 3. हिमालय के पहाड़ों में बसा है अधिक तर लड़ाका  |
| ाक्ष्या आव पा भाकरतान का पुलना एक उदार 14ता आर उसके बिगङ बट<br>से की जा सकती हैं।   | जम्मू और कश्मीर का ज्यादा तर इलाका हिमालय के पहाड़ों में बसा है।<br>वारत में इसकी दक्षिणी सीमा हिमालय प्रदेश और पंजाब से लगती है।   |
| . 2. मारत-पाकिस्तान सीमा रेखावाद  | सत्तर और पूर्व में चीन के साथ एक आंतरराष्ट्रीय सीम है। इसके अलावा नियाला<br>रेखा इस कमया पीओके और गिलगित बालिस्लान से पविन्या और उपका प्रियाला  |
| भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा को लेकर करीब 75 साल से<br>विवाद चल रहा हैं। यह दोनों देखों के बीच सोवी गई 740 किसोमीटर लंबी  | में अलग करती है।  |
| सीमा रेखा है। आइए जानते हैं कि एलओसी को लेकर विवाद की वजह क्या  | नियंत्रण रेखा   |
| हैं। भारत-पाकिस्तान में चल रहे तनाव के बीच हाल ही में गृहमंत्री अमित बहा<br>ने कहा था कि पीओफे (पाक अधिकृत कभीर) हमारा आंतररिक मूथान है। इसके<br>बाद से पीओके के साथ एलओसी याने नियंत्रण रेखा भी फिर चर्चा में आ गई   | <ol> <li>740 फिलोमीटर लंबी सीमा रेखा मारत और पाकिस्तान के बीच खोबी<br/>गई ।</li> </ol>  |
| इसे लेकर करीब 75 साल से विवाद बना हुआ है। नियंत्रण रेखा भारत और<br>पाकिस्तान के बीच खींची गई 740 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा है। इसे लेकर   | 2. 5 युष्ट इस सीमा विवाद पर हूए और 1972 के शिमला समझोते में<br>इसे बहाल किया गया।   |
| पाक से 1947,1965,1971,1999 काएगील युष्ट्र पाँच युष्ट हुए। भारत–पाकिस्तान<br>से सबी युष्ट में भारत ने जीत हासिल की। 2016 में भारत ने पाकिस्तान में   | 3. यह यवारियती दर्शाती सीमा है जिस दोनो देशों ने माना लेकिन अंतरराष्ट्रीत<br>सीमा नही है।   |
|   | <ol> <li>550 कि.मी. लंबे एलओसी के मारतीय क्षेत्र में इंडियन कश्मीर 'वैरिअर'<br/>बना है।</li> </ol>  |
| रायमा २ नाल्म ५० अपूब्य रूप रा कार्यन २.। १९४४ रा १९भाजन क शाद यह<br>अस्तित्व में आई थी। जम्मू प्रांत में अखनुर संकटर में मनावर तवी के भूरेचक<br>से आरंम होकर कारणील में सियाचीन हिमखंड से जा मिलने वाली एलओसी  | ' 5. 12 फिट तक जंचाई बाले इस अवरोध में दोहरी बाढ़ और कन्सटींना<br>तार लगे है।   |
| अर्थात निर्यत्रण रेखा विश्व में सबसे अधिक खतरनाक मानी जाती है।<br>कश्मीर पर कब्ते की मंशा से पाकिस्तानी सेना ने हमला किया था। 1947–48   | 6. 1990 से 2004 तक यह बाड़ बन पायी सिससे पाक घुलपैठ में 80.<br>की कमी आयी है।   |
| में चली इस जंग का सराला संयुक्त राष्ट्र तक पहुँचा। 5 जनवरी 1949 को<br>सीमा फायर का ऐलान कर दिया गया। तथ हुआ कि सीयफायर के वक्त जो   | 4. भारत-पाक सीमा  |
| सेनाए जिस हिस्ते में थी उसे ही युष्ट विसम रेखा माना जाए। इसे लाईन ऑफ<br>कंट्रोल या नियंत्रण रेखा कहा गया। इस तरह कम्मीर का कुछ हिस्सा पाक<br>के कब्जे में चला गया जिसे आज पीओके कहा जाता हैं। 1965 में पाक ने<br>आक्रमण किया किन्तु तडाई में गतिरोध एत्पन्न हुआ, जिसके चलते यषास्थित  | भाषत और पाकिस्तान सीमा, आंतरराष्ट्रीय सीमा(आईबी) के रूप में मारत<br>और पाकिस्तान के बीच एक आंतरराष्ट्रीय सीमा हैं। जो मारतीय राज्यों को पाकिस्तान<br>के चार प्रांतीसे अलग करती है। यह सीमा उत्तार में वास्तविक नियंत्रण रेख<br>(रिलओसी) से, जो पाकिस्तान दाया नियंत्रित क्यांगेर को भावकी ब्यांत्रण रेख |

Star Merry

派

34

Baue

| arrea-urithearre where are                             | <ol> <li>आंगरराष्ट्रीय सीमा : भारतीय गणराज्य और इश्लामिक भाषताज्य<br/>पाकिस्तान के बीच सीमांकित देखा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माभ्यता प्राप्त<br/>हैं। 1947 में सर सिरित देखावेलफ ने भूमि ता सीमांकन किया था।<br/>ह आईसीमी नॉर्डन कॉकिंग</li> </ol>   | आप्रवास और सीमाशुल्क सुविधा ओ के साथ निर्मिष्ट एकीकृत पेक पोपट<br>(बाईपीसी) के साथ   | <ol> <li>वाधा में अटारी : पंजाब, भारत में वाधा-अटारी, सीमा समारोध के<br/>कारण भार और पाकिस्तान के बीच सबसे प्रसिद्ध और प्रमुख सीमा<br/>पार स्थाल है। क्रॉसिंग अमृतसर से 32 किलोमीटर और लाहोर से 24<br/>किलोमीटर के दुरी पर रिथत है।</li> </ol>                                     | <ol> <li>मुनाबाव : राजरथान में बाडळारे जिले में रिधत यह गाँव रेलवे स्टेशन<br/>के लिए प्रसिद्ध है। जहाँ से भारत को पाकिस्तान से जोडने वाली धार<br/>एक्सपेस नानकी है। ५००० के गाला को पाकिस्तान से जोडने वाली धार</li> </ol> | र कर किया गया हो। रख्य के भारत-भाक युद्ध के बाद क्रांशिंग स्थाल<br>को बंद कर दिया गया था। फरवरी 2006 में इसे फिर से खोला दिया<br>और तबसे थार एक्सप्रेस जोधापूर भारत के मगत की काठी से पाकिस्तान<br>कराची तक चलती है। | 3. मारत चीन सीमावाद (आंतरराष्ट्रीय सीमा): गुलवान घाटी, अक्साई<br>चीन, कालापानी, लिपुलेख, नियंत्रण १रखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा<br>से यो जब्द है नितका निक जागान का कि | भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद के साथ अक्सर होता है। पिछले दिनों<br>लिपुलेख और कालापानी को लेकर नेपाल के साथ जारी सीमा विवाद<br>धमा भी नहीं था कि चीन सीमी पर दोनों के सैनिको क बीध हिंसक<br>झडप हो गई।  | 7. भारत की सीमा   | भारत की थरत सीमा (लेंड बॉर्डर) की कुल लंबाई 15,106.7 कि.मी. है जो<br>कुल सात देशों से लगती है। इसके अलावा 7516.6 कि.मी. लंगे समुद्री सीमा<br>है। भारत सरकार के मताक्षेक ये सान देश है। बांटनानेस (2000-20 6-4- | षीन (3.488) कि.मी., पाकिस्तान (3.323) कि.मी., नेपाल (1.751) कि.मी., म्यानमार<br>(1.643) कि.मी., भूटान (699) कि.मी. और अफगानिस्तान (106) कि.मी. से सात<br>देशों से सीमा हैं। भारत-पाक सीमा वाद को देखा जाय तो सात दशको से<br>मी ज्यादा वक्त मुजर चुका है, लेकिन जम्मू और कश्मीर भारत और पामिस्तान |
|--|--|--|--|--|--|---|---|---|--|--|
| 44 भारतीय विदेश नीति का बदलता रहा। एवं सुरहा। परिदृश्य | अलग करती हैं। वाघा तक जाती है। जो कि पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के<br>पंजाब प्रांत को पूर्व में विभाजित करती हैं। दक्षिण मे शुन्य बिंदू, मारत के गुजरात<br>और राजस्थान को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अलग करता है। 1947 में रेडविलम<br>रेखा के आधार पर तैयार किया नया और बनावा गया सीमा, जो पाकिस्तान | आप भारत का एक दुरूर स लंकर ानजन रागरतान म ावामन्न इलाका थ हाकर<br>जाती हैं। आगे पलकर यह सीमा अरब सागर में पाकिस्सान के मनोरा द्वीप से<br>मुंबई के हार्बर के मार्ग पर चलती हुई दक्षिण पूर्व तक जाती है। | भारत और पाकिस्तान सीमा पर स्वातंत्र्यता के बाद से, दोनो देश के बीच<br>कई संघर्ष और युद्ध देख चुका है और दुनिया की सबसे जटिल सीमाओं मे<br>से एक है। पीनीवस द्वारा दिए गए आंकड़ो के अनुसार सीया की कुल लंबाई<br>2900 कि.मी. (1800 मील) है। यह 2011 में विदेश नीति में लिखे गए लेख के | अधार पर दुानया का सबस खतरनाक सामाआ न रा एक हा नारत ६ारा भरू<br>रूपापित किये जाने के कारण रात में इसे इतरिक्ष से भी देखा जा सकता हैं।   | 5. काय सामा नियत्रण रखा आर आतरराष्ट्राय सामा<br>भारत-पाक के बीच की गुजरात, सिंध सीमा एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त<br>सीमा हैं। केवल नियंत्रण रेखा घर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य नही है।                  | 1949 के भारत-पाकिस्तान युध्द क बाद रखापात कभार ।वबाादत क्षत्र का 1949<br>संयुक्त राष्ट्र युध्द विराम रेखा से विमाजित करने बाले वास्तविक नियंत्रण रेखा<br>कहा जाता है।   | पाकिस्तान और भारत के बीच आजाद कश्मीर और मिलगित–बाहिटस्तान<br>के क्षेत्र और भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर भी आते हैं। दुसरी तरफ जहाँ<br>पाकिस्तान की पंजाब प्रांतीय सीमा की आंतरिक सीमाएँ, भारत सरकार द्वारा<br>आधिकारिक रूप से पाकिस्तान (जो कि हालीया कार्यकाल है) और आंतरसाश्द्रीय<br>सीमा कहलाती हैं। | 1. कार्यरत सीमा : सिंगलकोट और मारतीय नियंत्रण कमीर के साथ | पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बीच की रेखा इसे एक कार्य सीमा कहा<br>जाता है वर्थोंकि एक तरफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त भूमि<br>(सियालकोट) है जबकी दुसरी तरफ एक विवादित क्षेत्र है।                    | 2 नियंत्रण रेखाः नियंत्रण रेखा पाकिस्तान अधिकृत कर्ष्णोर और भारतीय<br>जम्मू कर्षार के बीच की सीमा है। 1972 में सिमला समझोते के बाद<br>इसका सीमांकन किया गया।   |

94

ł,

मारतीय विदेश मीति का बदलता रहा। एवं शुरक्षा परिदृश्य

5

के बीच तनाथ का मुख्य मुखा बना हुआ है। ये क्षेत्र इस समय एक नियंत्रण रेखा से बेंटा हुआ. जिसके एक तरफ का हिस्सा भारत के पास है और दुसरा पाकिस्तान के पास है। भारत के पास का जम्मू कश्मीर पर हरक गाक जता 121 121

### RIVIE

से जम्मू कश्मीर में 370 कलम से स्वतंत्र्य राज्यसरकार चल रहा था वो रवतम हो गया। यह भारत कि सबसे बडी जित मानि जा रही हैं। तक जम्मू कश्मीर पर हक्क जतानेवाला पाकिस्तान को बढा झटका देकर अंतरराष्ट्रीय मोदीजी के रूप में भारत को मिलने से पाकिस्तान हडवड़ा गया है। 70 साल जम्मू कश्मनीर भारत के पास हे उसा पर पाक का कोई अधिकार नहीं। 370 कलम हटाकर प्रधानमंत्री श्री. नऐंद्र सोदीजीने पाकिस्तान को बढा झटका दिया। आज स्तर पर जम्मू कश्मीर इमारा है, यह संदेष मोदीजीने दिया है। एक ससम नेतृत्व तय हुई, जिसके मुताबिक जम्मू और कहमीर का लगभग एक तिहाई हिस्सा पाकिस्तान के पास रहा जिसे पाकिस्तान 'आझाद कश्मीर' कहता है। आज जो निगरानी में युध्द विराम समझोता हुआ इसके तरह एक युध्द विराम सीमा रेखा गाला राज्या था। लेकिन मारत के प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदीजी ने 370 कलम हटा कर जम्मू और कश्मीर को स्वतंत्र्य केंद्र शासित राज्य का दर्जा बहाल कर दिया। उन 370 कलम हटने से जम्मू कश्मीर का विकास होगा। ये 370 कलम के बीच जम्मू और कश्मीर के मुदेपर सात चुघ्द हुए। एक बार संयुक्त राष्ट्र को 2019 तक जम्मू कश्मीर 370 कलम के वजेले स्वतंत्र्य संविधान से चलने हटने से-पाकिस्तान को झटका लगा। 1947 से आज तक भारत और पाकिस्तान

### Rev

- मारतीय परराष्ट्र धोरण : सालत्य व स्थित्यंतर ठॉ. क्षेत्रंद्र देवळणंळर ÷
- इंडिया पाकिस्तान इन बॉर ॲन्ड पीस- जे.एन. दीक्षित ėš
- मारतीय शखकारणाचे बदलते स्वरूप व जपाय- था. लोडमे पंडित 16
- अतिरराष्ट्रीय संबंध वसंत राजयुरकर
- समकालीन जागतिक राजकारण : भारताच्या परराष्ट्र आणि संरक्षण घोरणापुर्ठील
  - आक्षाने डॉ. हीलेंद देवळणकर
- WWW.gougle.com ιΰ

features celebrated writers, such as Rabindranath Tagore, Ezekiel and Manohar Malgonkar, The units consist of an elaborate discussion followed by exercises that would to introduce the undergraduate students to selective works from Indian Literature in English. The textbook covers a brief history of Indian Literature in English from its Khushwant Singh, Girish Karnad, A K Ramanujan, Nissim inception to the present. It accommodates various literary forms – poetry, fiction, prose and drama. The textbook An Anthology of Indian Writing in English is composed prove helpful for the teaching-learning process

### **VRITING IN ENGLISH** N ANTHOLOGY OF INDIAN

equicatio

A Textbook prescribed by S.R.T.M University Nanded as per CBCS Pattern





BOARD OF EDITORS

| An Anthology of<br>Indian Writing in | English<br>A Textbook Prepared as per CBCS Pattern<br>for College Students of IJG Second Year Optional English Course | Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded<br>Maharashtra, India | Content developed by<br>Dr Rohidas S Nitonde: Unit I<br>Dr Subhash K Shinde: Unit II<br>Dr Pandit B Nirmal: Unit III-A<br>Dr Kamlakar R Gavane: Unit III-B<br>Dr Kishor N Ingole: Unit IV, V | Editor<br>Dr Kishor N Ingole | 324 |
|--------------------------------------|---|---|--|------------------------------|-----|
|                                      |   |   |  |                              |     |
|                                      |   |   |  |                              |     |

English

Nissim Ezekiel

### Introduction

Nissim Ezekiel is one of the Indo-Anglian poets who bestows genuine flavour of India by using Indian English i.e. Pidgin English, "Goodbye Party for Miss Pushpa T. S." and "The Professor". His poems are based on his practical observations of Indian life. This poem is composed in free verse. In the poem "Very Indian Poem in Indian English" ("The Patriot"), the poet talks about the people of Indian subcontinent through the eyes of a typical middleclass Indian. Throughout the poem, the poet talks about the people present continuous tense instead of simple present tense to create present continuous tense instead of simple present tense to create people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even present continuous tense instead of simple present tense to create people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even present constinent, including India, Pakistan and even present constinent, including India, Pakistan and even people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even people of Indian subcontinent, including India, Pakistan and even

### About the Poet

Nissim Ezekiel (1924–2004) was the first poet among the modern Indian poets writing in English. He was an Indian Jew of Benef Israel origin. He was born in Bombay on December 16, 1924 and studied English at Wilson College, Bombay and Philosophy at Birkbeck College, London. He was a Professor of English at the University of Bombay. He was Visiting Professor at several universities in India, USA and Australia. He was the Editor of Quest, *Imprint* and the poetry page of *The Illustrated Weekly of India*. His famous works include A *Time to Change* (1952), *Sixty Poems* (1953), *The Third* (1959), *The Unfinished Man* (1960), *The Exact Name* (1965), *The Plays*: Nalini, Marriage Poem, *The Sleepwalkers* (1976) and Latter-Day Psalms (1982). He was the only English poet who considered the

An Anthongy of Indian Weiling in Chish

use of 'babu' English as an attempt to Indianise English language. He received the Sahitya Akademi Award for his poetry collection *Latter-Day Psalms* in 1983 and the Padma Shri, India's civilian honour, in 1988. He passed away on January 9, 2004.

# Very Indian Poem in Indian English

I am standing for peace and non-violence. Why world is fighting fighting Why all people of world Are not following Mahatma Gandhi, I am simply not understanding. Ancient Indian Wisdom is 100% correct. I should say even 200% correct. But modern generation is neglecting-Too much going for fashion and foreign thing.

Other day I'm reading in newspaper (Every day I'm reading Times of India To improve my English language) How one goonda fellow Throw stone at Indirabehn. Must be student unrest fellow, I am thinking. Friends, Romans, countrymen, I am saying (to myself) Lend me the ears.

Everything is coming-Regeneration, Remuneration, Contraception. Be patiently, brothers and sisters.

١

You want one glass lassi? Very good for digestion.

Verytheiten Poon in Indian English

With little salt lovely drink, Better than wine; Not that I am ever tasting the wine. I'm the total teetotaller, completely total. But I say Wine is for the drunkards only.

What you think of prospects of world peace?
Pakistan behaving like that,
China behaving like that,
It is making me very sad, I am telling you.
Really, most harassing me.
All men are brothers, no?
In India also
Gujaraties, Maharashtrians, Hindiwallahs
All brothers
Though some are having furnny habits.
Still you tolerate me,
I tolerate you,
One day, Ram Rajya is surely coming.

You are going? But you will visit again Any time, any day, I am not believing in ceremony. Always I am enjoying your company.

### GLOSSARY

Contraception: Safety Drunkard: Alcoholic Goonda: A hooligan Harassing: Irritating Hindiwallahs: Hindi mother tongue people

Lassi: A sweet Indian drink made from yogurt Ram Rajya: Ideal state Regeneration: Revival Remuneration: Compensation

Teetotaller: A person who never drinks alcohol

### SYNOPSIS\_

At the outset, the poet wishes nothing but peace and nonviolence in the world. He is surprised to see how all the people in the world are not following Gandhi's ideals and are always fighting with one arnother. Mahatma Gandhi is an apostle of peace and nonviolence. Ezekiel enumerates that the modern generation is neglecting the 'Ancient Indian Wisdom' and following the 'fashion and foreign things' sternly. He fails to understand why Indian youths are not following Gandhi's advice being Gandhi's heirs - the ancient Indian wisdom is apt. On the contrary, they are pursuing Western culture and leading a fashionable life under the name of modernisation.

The poet says that he reads English language newspaper *The Times of India* every day to improve his English. Consequently, he comprehends that a hooligan has thrown a stone at Indirabehn (may be one of the great political personalities). The poet thought that he might be a student or a mad fellow. He feels sad because the modern world is full of violence and antisocial tendencies demonstrating a great threat. He remembers Mark Antony's appeal to the Roman countrymen to follow the past william Shakespeare. Still he is hopeful for the future and the best. He propagates positive features of the modern age such as regeneration, remuneration and contraception, which might be regeneration, remuneration and contraception.

The poet anticipates a glass of *lassi* instead of wine to get away from all disgusting things. It is good for digestion. It might be taken as an alternative to the Western wine if a little salt is added to it. He thinks he would prefer lassi instead of wine. He is a teetotaller. Wine is meant for the drunkards only. He tries to revive the old Gandhian days.

The poet also gives a thought to the prospects of world peace. The present condition makes him dismal because all over the world, dangerous weapons are created as a deterrent to be superior to others. He mentions two hostile geographical neighbours of India – Pakistan and China. He says that this might lead to loss of precious human lives. But this tendency can be changed if one believes the other as his brother.

5

yidini Pheni in Indian Luglish

At last, the poet ends the poem on an optimistic note. In India, all the people coexist irrespective of their caste, creed, religion, region and community. This is called unity in diversity. Gujaraties, Maharashtrians, Hindiwallahs and many more are brothers and sisters. Some of them may have furny habits, but still they are together. He would like to invite the visitors irrespective of ceremonies as he enjoys every moment of good company. Finally, he assures us that 'Ram Rajya is surely coming'.

Nissim Ezekiel was an eminent poet writing in English. He witnessed the turmoil of the Second World War and the Partition of India. The Western as well as Eastern worlds were totally devastated. More than a crore of people died without any fault. For him, Gandhian philosophy is an answer to achieve universal peace. If it is properly implemented, the people of Indian subcontinent can coexist peacefully. Indian internal conflicts related to regionalism, racism, casteism and lingualism can also be finished.

### EXERCISES

- I. Short answer type questions:
- 1. What message does the poem convey?
- 2. What did the poet read in the newspaper?
- Comment on the language of the poem.
- II. Answer the following questions in about 300 words:
- How does the poem "Very Indian Poem in Indian English" depict Mahatma Gandhi as a universal apostle of peace?
- How does the poet Nissim Ezekiel stress upon national integration in the poem "Very Indian Poem in Indian English"?

An Anthology of Indian Writing in Isl

# III. Classroom Activities:

- . Prepare a list of poems written on Mahatma Gandhi.
- Prepare a list of Indo-Anglian poets who bestow genuine flavour of India by using Indian English i.e. Pidgin English.

# (B) Prayers to Lord Murugan

A K Ramanujan

### Introduction

Indian Writings in English has a glorious tradition. The great literary artists such as Rabindramath Tagore, Sarojini Naidu, R K Narayan, Mulk Raj Anand, Raja Rao and Jayanta Mahapatra are some of the most famous gems of international literature. A K gamanujan is a great name in the same tradition. He was influenced by both Indian and Western culture. The present poem "Prayers to Lord Murugan" can be considered a devotional poem. Lord Murugan is worshipped in South India. He is also worshipped throughout the world by the name Kartikeya Swami. He is the throughout the is said that He is the God of wealth and power. His Panchayat. It is said that He is the God of wealth and power. His temples are situated at various places such as Mysore, Pune and Parli. The poet devotionally praises Lord Murugan for the welfare of the world.

### About the Poet

Attipate Krishnaswami Ramanujan (1929–93) was one of the most gifted and original contemporary Indian poets writing in English. He was born in Mysore on March 16, 1929. He studied English in Mysore and Linguistics in Pune. He was a famous writer who wrote mysore and Linguistics in Pune. He was a famous writer who wrote be was a distinguished translator as well. He was a Fulbright Scholar at the Indiana University during 1960–62. Later, he joined the University of Chicago as a Professor of Dravidian Studies and the University of Chicago as a Professor of Dravidian Studies and Linguistics. His poetry has been collected in four volumes: *The Linguistics*. His poetry has been collected in four volumes: *The Striders* (1966), Relations (1971), Selected Poems (1976) and Second Sight (1986). His translations of Tamil and Kannada poetry have been published in *The Interior Landscope* (1967), Speaking of Snow been published in *The Interior Landscope* (1967), Speaking of Snow (1972) and Hymus for Drowning (1981). He also translated U R

drawn from Indian life and culture. He was admired by his contemporary writers such as Nissim Ezekiel, R Parthasarathy, Keki N Daruwalla and Jayanta Mahapatra. He was also awarded with the Padma Shri in 1976 and the MacArthur Prize Fellowship in 1983. He died in Chicago on July 13, 1993. After his demise, his wife and friends published *The Collected Poems* in 1997, for which he was posthumously awarded the Sahitya Akademi Award in 1999.

# Prayers to Lord Murugan

Lord of new arrivals lovers and rivals: arrive \_\_\_\_\_\_at once with cockfight and banner -dance till on this and the next three hills

women's hands and the garlands on the chests of men will turn like chariotwheels O where are the cockscombs and where the beaks glinting with new knives at crossroads when will orange banners burn among blue trumpet flowers and the shade of trees

waiting for lightnings?

3

Twelve etched arrowheads for eyes and six unforeseen faces, and you were not embarrassed.

Unlike other gods you find work for every face, and made eyes at only one woman. And your arms are like faces with proper names.

.

Lord of green growing things, give us a hand

in our fight with the fruit fly. Tell us, will the red flower ever come to the branches of the blueprint

city?

4

Lord of great changes and small cells: exchange our painted grey pottery for iron copper the leap of stone horses our yellow grass and lily seed for rams!

flesh and scarlet rice for the carnivals on rivers O dawn of nightmare virgins bring us

Prayers to Lord Murugan

An Anthology of Indian Writing in English

your white-haired witches who wear three colours even in sleep.

Lord of the spoor of the tigres, outside our town hyenas and civet cats live on the kills of leopards and tigers too weak to finish what's begun. Rajahs stand in photographs over nine foot silken tigresses that sycophants have shot. Sleeping under country fans

hearts are worm cans turning over continually for the great shadows of fish in the open waters. We cat legends and leavings, remember the ivory, the apes, the peacocks we sent in the Bible to Solomon, the medicines for smallpox, the similes

for muslim: wavering snake skins, a cloud of steam Ever-rehearsing astronauts, we purify and return our unne to the circling body and burn our faces for fuel to reach the moon

Cayers to Lord Nurug

through the sky behind the navel. Master of red bloodstains, our blood is brown; our collars white.

Other lives and sixtyfour rumoured arts tingle, pins and needles at amputees' fingertips in phantom muscle Lord of the twelve right hands why are we your mirror men with the two left hands

capable only of casting reflections? Lord of faces,

find us the face we lost early this morning.

00

Lord of headlines, help us read the small print. Lord of the sixth sense, give us back our five senses.

| Lord of lost travellers,<br>and consequent celebrations have been described with reference<br>find us. Hunt us  | 10       Lord, return us.         Lord, return us.       Bathsheba. He was renowned for his wisdom and wealth.         Brings us back       Bathsheba. He was renowned for his wisdom and wealth.         Brings us back       Spoor. The track or scent of an animal         It it it       Spoor. The track or scent of an animal         Spoor. The track or scent of an animal       Spoor. The track or scent of an animal         of six new pigs in a slum       Spoor. The track or scent of an animal         of six new pigs in a slum       Spoor. The track or scent of an animal         of six new pigs in a slum       Spoor. The track or scent of an animal         of six new pigs in a slum       Spoor. The track or scent of an animal         and a sudden quarter       Tingle: To feel thrilling sensation         of harvest       Worm can: A complex, troublesome situation         Lord of the last-born       Worm can: A complex, troublesome situation         Lord of the last-born       Worm can: A complex, troublesome situation         Lord of the last-born       Worm can: A complex, troublesome situation         Lord of the last-born       Worm can: A complex, troublesome situation         Lord of the last-born       Stoop and travels         Lord of the last-born       The poem "Pravidian God of fertility, joy, youth, beauty, war and out of new arrivals. The poem travels with the invocation of God Mur |  |
|---|---|--|
|   | with garlands in their hands.<br>India and are arranged at th   |  |
| Lord of answers,<br>cockscomb used by the poet has two meanings: first; the cap of the<br>core us at once<br>of and second; the cap of the joker. In olden times, jokers were | cockscomb used by the poet  |  |

0.7

.

| Proyors to Lord Murugan 39                  | Ituman urine was given in uncient Ayurveda and later reaftirmed by the former Indian Prime Minister, Morarji Desai. In the sixth starza, the poet talks about certain mysterious types of vorsibips that require blood sacrifices. It is said that by performing them, we push astde the phantoms and can acquire 64 divine arts only mastered by Lord Santikeya). In the seventh starza, the poet refers to 12 right hands of Lord Murugan (Lord Kartikeya). In the seventh starza, the poet refers to 12 right hands of Lord Nurugan (Lord Murugan (Lord Kartikeya). In the seventh starza, the poet refers to 12 right hands of Lord Nurugan (Lord Murugan (Lord Murugan is eternal). In the eighth starza, the poet devotionally urges Lord Murugan to provide human beings with wisdom and education. He has glorified the Lord as the fountain of power with six senses. He prays to bestow five senses upon human beings. He portrays Lord Nurugan to provide human beings with wisdom and education. He has oth that the control as the contrain of power with six senses. He proving and the Lord as the contrain of power with six senses. He proving an at the control develop belief in mythology. This starza, the poet transity the protorays Lord Murugan to become that the control people should develop belief in mythology. This starza, the poet transite the change in residing outer of the pigs who live in the litter. Six of the new pigs in a provide tharvest started to travel from a situ markers to be solved on the poet transite the post of a pig for the welfare of a pig for the welfare of the work with site starza, its power of the pigs who live in the litter. Six of the new pigs in a provide lawrest the mode travel from a situ markers. In the first starza, the poet that the change in residuity indice. He note that the condon which is again a provide lawrest the poet the pigs who live in the litter. Six of the new pigs in a provide lawrest the poot has referred to a certain mysterious provide lawrest the mode that the con  | Thus, the poem "Prayers to Lord Murugan" is an immensely<br>devotional poem where the stanzas are small, but their meaning is<br>quite deep and can be elaborated with hidden meanings as well.<br>The mean is composed in free verse. |  |
|---|---|--|--|
| 30 An Anthology of Indian Weifing in Data - | In the second starta, the poet devotionally prases Lond<br>Murugan by glorifying His 12 heads out of which six can be seen<br>from one side. He says that Lond Murugan blesses every face and<br>all men and women who devotionally pray to Him. The startas<br>compares the other Gods with Lond Murugan who rever expects<br>anything from the devotees except faith.<br>In the third starta, the poet glorifies Lord Murugan as the lord of<br>the green growing things. He says that the entitie nature is blessed<br>by Lord Murugan. As a result, we get flowers and fruits. In short,<br>the human struggle of existence is dependent on the blessings of<br>the God.<br>In the fourth starta, the poet witnesses certain Indian influences<br>both Murugan has been glorified as the lord of great changes.<br>Such changes may be flood, earthquake and lightening. The lord<br>protects those who believen dirivine power and worship. Some of<br>the Workhers also perform sacrifices in which the flesh of rams<br>stuffed with tic is served as carnivals on the banks of rivers. In<br>South India, it is believed that the sacrifice expets the bad powers<br>of witches far away from the human life. Using the words 'witches'<br>and 'carnivals' instead of glosts and lestivals is nothing but the<br>influence of Western culture on Ramanujan. However, it does not<br>made any difference in meaning.<br>In the fifth starta, the poet has mixed emotions, and he finds<br>different themes. At first, he depicts the jungle life and finds tigres'<br>branks criter is errored as carnivals instended by the great King<br>starrounded by the flatterers, very selfish and insince. Hunting<br>was a common sport in those times. He used to give full credit to<br>the Rejahs even if a tiger was shotely someone. The poet again goes<br>for Western references of the holy <i>Bible</i> in which the great King<br>starrounded by the flatterers, very selfish and insince. Hunting<br>was accommon sport in these times. He used to give full credit to<br>the Rejahs even if a tiger was shotely someone. The poet again goes<br>for Western references of the holy <i>Bible</i> in which the great King<br>wit | the travel to the Moon. This is interesting to note that the power of  |  |

### EXERCISES\_

- I. Short answer type questions:
- What is the theme of the poem?
- Write a short note on Lord Murugan.
- Elaborate briefly on the appropriateness of the title of the poem.
  - II. Answer the following questions in about 300 words:
- Write a critical appreciation of the poem "Prayers to Lord Murugan."
- Would you consider "Prayers to Lord Murugan" a devotional poem (hymn of Indo-Anglian literature)? Explain.

# III. Classroom Activities:

- 1. Prepare a list of Indian religious poems written in English.
- Tie dahi handi (or any other community festival you like most) in college premises and arrange group discussion on life and deeds of Lord Krishna.

### Unit III (FICTION)

### An Anthology of Indian Literature in English Translation

A Textbook Prescribed by

S.R.T.M. University, Nanded as per CBCS Pattern

1- R

.

-

Board of Editors

### An Anthology of Indian Literature in English Translation

Members of Board of Studies in English S.R.T.M. University, Nanded A Textbook Prescribed as per CBCS Pattern for College Students of UG First Year

Prescribed by

Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded

### Content developed by

Prof. Atmaram Shamrao Gangane: Unit I Dr. Kalyan Rambhau Kadam: Unit II Dr. Sangeeta Govindrao Avachar: Unit III Dr. Subhash Kishanrao Shinde: Unit IV Dr. Varsha Vasantrao Hadgekar: Unit V

### Editor

### Prof. Atmaram Shamrao Gangane

### Contents

### Unit I: Introduction: A Brief History A Brief history of Indian Literature in English Translation Unit II: Poetry A) Thirukkural (Ch.79-83) : Thiruvalluvar B) Mirza Ghalib's Ghazals I) Yeh Na Thi Hamari Qismat II) Dil Hi To Hai Unit II: Fiction I) Two Bullocks: Munshi Premchand II) From Karachi: Thakazi S. Pillai Unit IV: Prose A Corpse in the Well (selection): Shankarrao Kharat Unit V: Drama Beyond the Land of Hattamala: Badal Sarkar

3

### Unit IV: Prose

### A Corpse in the Well (Selection): Shankarrao Kharat

### A Corpse in the Well

### Shankarrao Kharat

### Introduction to the Author

Shankarrao Kharat was born in Atpadi, Sangli district of Maharashtra, on 11 July 1921. He was associated with Dr B. R. Ambedkar and worked with him. Later on Kharat accepted Buddhism to walk on the path of Dr Ambedkar. Further, he had been the Vice Chancellor of Dr Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad. He also contributed as a member of the Legislative Council of Maharashtra. He had been the prominent writer of the Dalit Literary Movement. His literary creations made grandiose contribution in the province of Dalit literature. He dedicated his entire life for the enrichment of Dalit Literary Movement. He died on 9 April 2001.

As he has been a distinguished Dalit Marathi fiction writer, he has written novels, short stories, nonfictional works and an autobiography in Marathi language. He is popularly known for his autobiography *Taral-Antaral*. It is a moving account of his hardships and sufferings as a Dalit. It arouses compassion and concern but not self pity. Besides, he composed a number of short story collections such as *Tiavicha Fera* (1963), *Sutka* (1964), *Doundi* (1965), *Adgavche Pani* (1970). His outstanding novels are *Gavcha Tinpol Guruji* (1971), *Zopadpatti* (1973), *Footpath No. I* (1980), *Maze Nav* (1987) etc.

### Introduction to the Text

The present extract entitled *A Corpse in the Well* is taken from the autobiography *Taral-Antaral* translated by Priya Adarkar. It is the sheer revelation of the then society where ill-treatment under the pretext of casteism was given to the downtrodden subjects. It has been unfolded as a naked truth experienced by the writer and his father at the hands of government officials and upper class people.

### Text

I knew clearly the dangers of village duty. It was a perpetual noose around the neck of a Mahar! My father was crushed flat by this duty. Here is the story of one of his experiences — a near fatal one. I still shiver at the thought of it.

It was our turn to do the customary duty at our village, Kamat. We had a house there. It was summer, so I was home on vacation.

A corpse was floating in an abandoned well near the village. It had bloated and risen to the surface. The Patil, the village chief, had already received the news in the evening. The Mahars and the Ramoshis too had got the news. Anna, my father, as the Mahar on village duty, and one of the Ramoshis, had both reported at the place where the corpse lay. Anna and the Ramoshi stayed up the whole night by the well, guarding the corpse.

Then it was the morning of the next day. The head constable and another constable were expected from the police post, to conduct an initial inquiry about the corpse. Till then, as per routine, the Mahar and the Ramoshi would have to guard it. My mother knew this was so. But now the night was over, the morning sun, too, had begun to descend and it was afternoon; yet father had not returned home. So my mother sent me to the well with *bhakri* wrapped in a cloth for Anna to eat. I hopped towards the well like a bounding deer. Seeing Anna sitting close by, I went to him and said, 'Anna! the night is over. The day's nearly gone. Mother is waiting for you! When are you coming home?'

He glanced at the well and replied, 'But the chief constable and the constable are yet to arrive! They will carry out the inquest; only then can the Mahar rest. So go and tell Mother that I'll be very late.'

He took out a pipe from his pocket and filled it with tobacco. He lit it with a flint and started smoking. I felt he was suppressing his hunger with it. I quickly said, "Anna I have brought bhakri for you. Do eat it!"

'No, son, I'll only have time to eat my bread when everything is over with this corpse. Not before that!'

'But when will it all be over? And how long will you go without food?' To my questions, are replied, 'The village chief was here a little while ago. He told me that the head constable arrived in the village. But he is dining. He'll come only when he has finished eating and drinking. When the corpse is fetched out of the well, the inquest will be held. Then we'll be free.'

Looking at the village chief who was sitting under the shadow of a distant tree, I said, 'Anna! The constable will come after his meal. The village chief has also filled his belly. Then why can't you too eat your bread? Why must you remain hungry?'

'Oh, they are officers! How can they work without food?'

"Then why should we work on an empty stomach? We're human beings, too."

'That's what village duty is, my boy! Who cares if a Mahar lives or dies?'

Then I suggested a way out. 'Anna, you have your bread! I'll stand guard with the Ramoshi till then.'

At this Anna said rather vehemently, 'No! No village duty for you. It's bad enough that we have to endure it. Once you're saddled with the village duty, you'll be stuck with it for life! That's the tradition! That's our doom! You go home. I'll eat when it's time!'

While I was talking to Anna two constables in uniform marched up to us, their hob-nailed boots clattering on the ground. No sooner had they reached the well, than the head constable came pounding up on his horse. All the people around made way for him. The Ramoshi paid his respects from a distance. The village chief stood up and saluted him. Anna bowed in a deep *johar*. The Ramoshi tied up the horse to a tamarind tree. Anna fetched water in a pitcher from another well, which was in a field by the stream. He poured it into the iron trough in front of the horse. Since they were expecting the head constable to come on a horse, the Mahar and the Ramoshi had made all arrangements for the horse's care. They put before the horse a sheaf of green maize shoots which they had brought from the field near the stream. The hungry horse greedily began to munch the fresh green grass.

The head constable, spinning his baton, took a stroll around the well. He peeped into the well, then looked around it and again into it. He walked towards the steps of the well. The upper steps were buried in the soil. Some lower steps had slipped into the water. Some steps were about to fall away from the level. It was an abandoned well; the structure was old. Inside the rim one could see overgrown, yard-long dried grass; shrubs had sprouted in the dilapidated portions. The upper part of the well had collapsed in ruins and its big long stones were scattered around. Green moss floated on the unused water of the well, and foliage from the trees near the edge had fallen into it and rotted. The well was quite deep. How to remove the corpse from such an

£.

awkward well? That was why the head constable looked like a man with a problem. The constable suddenly whispered something to the village chief. The head constable had a secretive discussion with the constable and the village chief about how to remove the corpse. Then coming forward, the constable yelled at Anna, 'What are you waiting for, Mahar? Jump in. How long must the officer stand here?'

Anna immediately replied, 'Constable, the Mahar's village duty is only to guard the corpse. How can we touch it? What would the heirs of this corpse have to say?'

Then the head constable said sharply to Anna, 'What would they say?'

Anna replied, 'The heirs will say, "Were we dead, that you touched our kinsman's corpse?" and they will have a grudge against us Mahars!'

'But I'm ordering you to! What are you afraid of?'

х

'Sarkar, you will go away from here. You will leave this poor Mahar to his fate! We want to go on living in this village!'

I was listening intently to this dialogue between Anna and the head constable. Suddenly, the head constable thundered, 'You lump of dirt! Are you going to jump, or do I have to whip you?'

At these words, Anna remained silent. Seeing that the head constable was enraged, he did not open his mouth. The constable and the village chief started bombarding Anna with threats and curses. They charged at him, overflowing with abuse, but Anna stood like a pillar. Perhaps Anna felt that if he said one word, if he said no, the constable wouldn't stop till he had drubbed him soundly. That must be why he kept quiet. In those days the oppressive power and prestige of the head constable were tremendous. Against this power, a Mahar was a mere wisp of straw.

Seeing and hearing all this was a shock to my young mind. I heard their curses, their threats, their shouting. I thought, whose dead body is this anyway? Whose well? Why should my father have to be cursed and threatened because of them? This was rank injustice to my father; I was old enough to understand that and also had some education to my credit. So I could see clearly the injustice being done to my father. He had not done anything wrong. His only crime was being the Mahar of the village. I was enraged at what was happening; my gorge rose with anger. In my rage I pushed into the argument. 'What reason have you got to abuse my father? The corpse's relations will come. They will remove the body. Otherwise, if the government feels

the village know! Let the government know! Let the whole world know!' With these last words, and without further thought, he took his life in both hands, and climbing down the well, went to the other side. Then he tied the legs and neck of the corpse with another rope which had been thrown down. Tied the knot hard, and shouted, 'Yes! Now pull!' The others on village duty pulled out the corpse, for three other Mahars had by now arrived at the site. Inside the well, Anna had been keeping an eye on the reptile, for fear that it would wrap itself round him and kill him. Now with the agility of a snake, he swiftly climbed the rope. The reptile moved from the hole and went slithering through the water, towards the stairs.

The threat to Anna's life had passed. My terror subsided. My eyes had filled with tears. Then Anna held me close to him. I wiped my eyes.

The dead body was bloated. It looked hideous and smelt foul. All had covered their noses. The preliminary inquiry was conducted on the spot. The Mahars shifted the corpse into the bullockcart brought from the farm, and scattered over it *neem* leaves that covered the body completely. Then they took it along a cart-track to a doctor about eight miles away for a postmortem. Anna as the village Mahar, another Mahar, two Ramoshis and a policeman went along with it. Anna wrapped in a fold of his dhoti the bread which I had brought for him, and said to me, 'Now for heaven's sake go home! Tell your mother that I am going to the dispensary along with the corpse.'

Anna set out. The cart disappeared along the road; then Anna disappeared too. Then I went home, numbed.

A storm of thoughts swept through my mind about the dangerous, deadly work involved in village duty. Why do Mahars do this kind of work? I asked myself. But the Mahars had moved the High Court fighting for the Mahar vatan share, a quarter of the share.

Only after I myself had become an advocate did I learn that for the sake of this hereditary right — this worthless right — the Mahars had played the game of litigation right up to the High Court.

Translated by Priya Adarkar

An extract from Taral-Antaral

### Glossary

bhakri: coarse, unleavened bread

johar: salutation by a Mahar to someone from a high caste family mahar: an 'uhtouchable' community/ an untouchable neem: margosa tree patil: the village chief perpetual: occurring continually ramoshis: a lower caste person vehemently: passionately

### Analysis of the Text

The extract from an autobiography entitled *A Corpse in the Well* narrates the childhood experiences of Kharat. The experience about drawing a corpse from a well relates Anna, the author's father and his customary duty as a village Mahar in the village called Kamat. It enumerates the risky and fatal duties of the Mahars and the Ramoshis communities in the village.

It happened that a corpse had been found in an abandoned well near Kamat village. Someone first committed suicide by drowning in the well. The Patil, the village chief, the Mahars and the Ramoshis had been reported the news and consequently they all had been to the spot. The narrator too reached there to handover *bhakri* which his mother had sent for his father. It was wrapped in a cloth. It was late in the afternoon, the head constable and another constable too arrived there in their uniforms. As a village Mahar, it was Anna's duty to guard the dead body till the government officials come to the scene to inspect the circumstance and make enquiry and postmortem of the corpse.

The story discloses how the pathetic life of a village Mahar was encircled by fatal consequences and situations. Though, the Patil and the constables had enjoyed their lunch, however, Anna being a Dalit cannot eat anything till the inspection is over. Therefore, he was waiting for the officers so as to perform his duties leading to the disposal of dead body. The officers and the Patil threatened and abused Anna in a very harsh language when there was a bit late to reach the corpse. Anna, being a Mahar, an untouchable caste, was supposed to take risk and suffer at any length of time.

The officers forced Anna to jump into the well and bring the corpse to the surface. But Anna refused to do so as he thought that it was not proper to touch the body of the upper caste person with his hands because he was a lower caste person and so he was afraid that the relatives

of the dead would torture him for committing such a crime of touching a dead body. Moreover, the constable obliged him to jump into the well. The duty was not so easy, as there was a risk for Anna since he was involved in the task where there was a snake in the well. Here, both the narrator and his father were horrified while Anna was drawing the corpse out of water. Though, Anna carried out his duty safely, the incident had a deep impact on the mind of the author.

The writer displayed how the evils of casteism had forced the lower caste people to live at the mercy of higher caste people. The seeds of casteism are deeply rooted in Indian society and obliged a section of society to lead a life of slaves. During and after the independence of India, many of the leaders and the social reformers had worked for the eradication of this evil custom severely delved in the society. Among them all, the name of Dr B. R. Ambedkar shines like the sun for his lion's share in the process of emancipation of the lower castes from the clutches of the social evils. As a matter of fact, the writer was terribly shocked on the realization that the Mahars had to move to the high court for the sake of their hereditary right i.e. the share of Mahar *vatan*.

Ultimately, the story A Corpse in the Well focuses on the inhuman treatment and injustice done to the Mahars and the Ramoshis by the upper caste village people and the police department in those days. Therefore, humiliation on the ground of caste discrimination is one of the vibrating themes of the story. It also highlights the role of writer's father as an honest and a committed servant. The suppressed indignation of the revolutionary mind in the midst of old traditions and customs in the society is also the undercurrent of the story. Besides, the father-son relationship displays emotional attachment and concern very beautifully.

Exercises

L

### Short Answer Type Questions

X

- What a customary duty of a village Mahar is as mentioned in the text?
- 2. Why did the writer's mother send the writer to the well?
- 3. For what reason did Anna continue to be hungry?
- 4. Why did Anna refuse to touch the corpse in the well?
- 5. What injustice was done to writer's father?

- 6. Explain how the well was an example of old traditional society.
- 7. For what kind of right had the Mahars moved the high court fighting for?
- II. Descriptive Answer Type Questions
  - 1. Sketch the character of Anna as a man of determination and honesty.
    - 2. What kind of treatment did Anna get from the government constables?
    - 3. How did Anna bring the corpse from the well and what kind of challenges he had to face while doing it?
    - Caste discrimination was prevalent in the then society. Give examples from the extract.
    - 5. Sketch the character of writer as an indignant and suppressed man?

\*\*\*

6. Describe the significance of father-son relationship from the given extract.

### III. Classroom Activities

į.,

- Students should read the Marathi original text of the autobiography Taral-Antaral by Shankarrao Kharat.
- Students should read and perceive other Dalit autobiographies/writings written in Marathi with the help of their teacher.

# NOTION PRESS, INDIA

Socio-Cultural

Issues in Mahesh

Dattani's Plays

£

Editor Name

Nirmala Shivram Padmavat

### NOTION PRESS

India. Singapore. Malayzia.

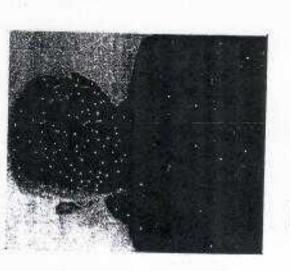
Published by Notion Press 2021 Copyright © Nitmala Shivram Padmavat, 2021 All Rights Reserved.

### ISBN 978-1-63806-32-30

This book has been published with all reasonable efforts taken to make the material error-free after the consent of the author. No part of this book shall be used, reproduced in any manner whatsoever without written permission from the author, except in the case of brief quotations embodied in critical articles and reviews.

statements, information, opinions and references ["Content"]. The Content of this book shall not constitute or be construed or deemed to reflect the opinion or expression of the Publisher or Editor. Neither the Publisher nor Editor endorse or approve the Content of this book or published herein and do not make any representations or warranties of The Author of this book is solely responsible and liable for its content guarantee the reliablikty, accuracy or completeness of the Content warranties of merchantability, fitness for a particular purpose. The arising out of use, inability to use, or about the reliability, accuracy or including but not limited to the views, representations, descriptions, any kind, express or implied, including but not limited to the implied Publisher and Editor shall not be liable whatsoever for any errors, umissions. whether such errors or omissions result from negligence, accident, or any other cause or claims for loss or damages of any kind, including without limitation, indirect or consequential loss or damage sufficiency of the information contained in this book.

1 TOTAL COLORADOR



Dedicated to My Father Late. Shivram V. Padmavat, A Unique Soul.



Maharashtra. She has worked taught Adult student in night in adult education section, currently working as NAAC English Department and IQAC Nutan She is Selu, Dist. About the Editor: Dr. Nirmala Nirmala Hemraj Joshi, M.A Assistant Professor B.Ed, PGDBM and Ph.D. Padmavat/ across of Parbhani (MH). Mahavidyalaya, coordinator Shivram Advisor an

Mahavidyalaya Selu; and she is working as an IQAC Coordinator of Nutan Mahavidyalaya, Selu. She has an Assistant Professor in BCA Department of Sant Tukaram College Parbhani. She also worked as an Engineering College Aurangabad. Since 2012, she is working as an Assistant Professor in the English Department of Nutan published six chapters, more than thirty papers in journals, Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded. She started her carcer as the primary teacher, and then worked Government Polytechnic College, Jintoor. She worked as as the research scholar under her guidance in Swami as a Visiting lecturer in Applied Science department at school for a year. There are four students who are working seventeen papers in conferences and seminars. Professor in MIT Assistant

### Contents

| List of Contributors   |
|--|
| Preface  |
| Acknowledgmentsxi  |
| 1. Mother Daughter Relationship in Mahesh Dattani's Tara 1   |
| 2. Identity of Women and Gender Discrimination in Mahesh<br>Dattani's TARA   |
| <ol> <li>Thirty Days in September: Traumatized Childhood in Mahesh<br/>Dattani's Play</li></ol>                                      |
| <ol> <li>Plight of Cancer Patients in Mahesh Dattani's Play Brief<br/>Condle</li></ol>   |
| 5. Patriarchy in Mahesh Dattani's play Dance Like a Man 50   |
| 6. Mahesh Dattani's The Big Fat City: Concern of Reality and<br>Emerging Key Issues66  |
| 7. Mahesh Dattani: Familial Relationships and Marriage82   |
| 8. Compassion for the Underprivileged in Mahesh Dattani's<br>Plays Clearing the Rubble and The Tale of a Mother Feeding Her<br>Child |
| 9. The Tale of a Mother Feeding her Child: The Story of Natural Disaster and True Love   |
| 10. A Study of Mahesh Dattani's Use of English Language 127  |
| 11. Mahesh Dattani's Plays and Social Issues: A Replica 144  |
| 12. "Mahesh Dattani's Writing Feature"   |

# List of Contributors

### 1. Mrs. Badne Archana:

Assistant Professor, Dept. of English, Late Nitin Arts & Sci. College, Pathari, Parbhani.

### 2. Mr. Kailash Atkare,

Asst. Prof. Dept. of Basic Sciences and Humanities, Marathwada Institute of Technology, Aurangabad, 431001

#### Dr. Vaibhav Harishchandra Waghmare, Assistant Professor, Department of English, Shriman Bhausaheb Zadbuke Mahavidyalaya, Barshi

### 4. Dr Subhash K. Shinde,

Assistant Professor and Head, Department of English, KKM College, Manwath District: Parbhani Maharashtra State, INDIA

#### Ms. Sarita Rameshchandra Bhardwaj, Assistant Professor, Department of English, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha.

6. Dr. Asha Dhumal , Assistant Professor, English Department.

l

 $\mathbf{y}_{i}$ 

Plight of Cancer Patients
 in Mahesh Dattani's Play
 Brief Candle

Dr Subhash K. Shinde, Assistant Professor and Head, Department of English, KKM College, Manwath District: Parbhani Maharashtra State, INDIA

### Introduction:

Mahesh Dattani is a prominent playwright in Indian English Drama. He is an internationally acclaimed playwright. Presently, he is a reputed playwright, actor, director, dance teacher and a script writer. Dattani deals with gender discrimination, patriarchal society, family and marriage institutions, sexuality, human relationships and communal disharmony. The play *Brief Candle* deals with the miserable life of cancer patients. It contains play within play. Plight of the cuncer patients and death are the

prominent themes of the play. Dattani presents a serious matter in a comic way.

Mahesh Dattani is a prominent' playwright in Indian English Drama. He is a leading dramatist in India. His works stand in the rank of the dramatists from India who expressed their social, political, and cultural pros and cons through English. Mahesh Dattani has written numerous plays and performed in India and abroad. He is a intermationally acclaimed playwright. Presently, he is a reputed playwright, actor, director, dance teacher and a script writer. He writes on a variety of themes based on the social issues prevalent in the contemporary society. His plays are being influenced by Ibsen, Shaw and Tendulkar. In 1998, Mahesh Dattani has been awarded the prestigious Sahitya Akademi award for his book *Final Solutions and Other Playw* published by East-West Books Chennai. He is the first English playwright who has won the award.

Dattani dramatizes problems of common man. All of his plays have varied themes. His plays are classified into three groups namely stage plays, radio plays and screenplays. The themes are unconventional. He talks about invisible issues. He deals with gender discrimination, patriarchal society, family and marriage institutions, sexuality, human relationships and communal disharmony. He explores the

new dimensions which paved the way in postmodern India. Especially, the human relationships become complicated due to the arrival of new terms of human relationships. Indian urban middle class family is the locale for most of the plays. The modern world is facing different challenges in its milieu. Dattani reflects the mirror to the society. Indian urban middle class society is in between tradition and modernity. Tanu Pant opines about Dattani as: "It is not always a story and a tale that Mahesh Dattani wants to tell his audiences across the world. It is sometimes a cause, a point of view, a sense of contemporaneity and a social message too." (22)

Main Text: The play Brief Candle (2009) is a stage play. It was first performed on 5<sup>th</sup> July 2009 at Sophia Bhabha Hall, Mumbai by Prime Time Theatre Company. The play has subtitle as A Dance between Love and Death. It includes nine scenes. The play was produced and directed by Lillete Dubey. A note on the play is written by Mahesh Dattani. He says,

In Brief Candle I have in fact attempted to work on that thin line that defines comedy from tragedy. In the play you have survivors of cancer who are in the process of putting up a comedy play as a fund-raiser for their hospice. Usually it is the mask of comedy

\$

43

Edit y Dr. Nirmala Shivram Padmavat

that we tend to hide behind. In the play the mask of death is predominant almost to the point of ridicule. In that sense I do see the play more as a comedy with a flaw. As one of my characters puts it, 'In comedy, people don't die.' However, if we can view death with the same distance as we do comedy, then maybe it is not a comedy with a flaw

anymore. (3)

The play deals with the miserable life of cancer patients. These cancet patients are neglected by the society. The cancer patients from 'Hotel Staylonger' are organizing a play entitled *Hotel Staylonger* to raise funds for their hospital. This is a comic play that contains jokes, sexual implications and comic dialogues. Dattani has followed tradition of Shakespeare by using play within the play. The cancer patients are the characters of the play. There are various cancer patients namely Amarinder, Amol, Vikas and Shanti. Deepika is their doctor and Mahesh is their male ward boy. Vikas is dead before the play begins but he is remembered by others because he wrote the play for the patients, doctors and staff of the 'Hotel Staylonger'. He wrote the play that all may remember him after his death. He is a victim of cancer as a result of AIDS. He is ex-lover of Deepika. The title of the play Hotel Staylonger is symbolic.

的基本正义会

MAHESH. I like that! I like that! So make the most of your stay at Hotel...(To Deepika.) Er- what's the name of the hote!?

DEEPIKA. Hotel Staylonger,

AMOL. Make the most of your stay in Hotel Staylonger, may your stay be long.

MAHESH. You mean short. (Dattani 10)

All the patients admitted in the hospital want to live long life but they have short life in reality as they are suffering from dangerous disease – cancer. The play is a comedy where Vikas desires that everyone should forget death, face death and enjoy life. The life of every character is minutely examined who struck with cancer. Vikas writes the play to overcome on the death. He lives in the memories of other characters through his play.

Amarindar narrates his story that during the first stay in the hospital, he comes to know that he is suffering from prostate cancer. Cancer had attacked on his manhood. His masculinity was in danger. The fear of losing his manhood disturbs him. AMARINDER. ...I don't know how I allowed it. They never told me that they will be drilling inside

breasts in the mirror.

Edited by Dr. Nirmala Shivram Padmavat

nobody came. I lay there thinking of the results of my prostate, through the wall of my rectum. Like dongling in Vikas's hand.) I rang for the nurse but knowing I could satisfy a woman in bed. All that was under attack with a group of needles probing at being sodomized with metal. (Staring at the mask that biopsy. If I did have cancer, they will remove my prostate. A gland size of a walnut that defines my maleness. What will I choose? To live? And deal with the loss? Instead of vitality flowing through my loins, bear the embarrassment of urine dribbling down my pants and not even noticing it? I wanted to live! With everything I had! (Dattani 23). So, Amarindar refuses to perform surgery. He prefers death rather than loss of masculinity. He feels helpless in this situation. On the other hand, Shanti is more courageous than Amarindar. She had performed the breast removal surgery. She lost her left breast which is sign of beauty and feminine sexuality. Every day, she fights with this ugly reality. She reveals that she is ashamed to look at her own my body. At my core. What made me a man? Climbing a mountain, playing a game of hockey,

SHANTI. I hadn't seen my own breast in the mirror. In the bathroom, I always took off my blouse when I was away from the mirror. (Dattani 32)

As a young bride, she feels uncomfortable with her husband with close hug. She goes away from his embrace. Then she remembers her surgery. She hates her body because she has to accept the deformity and ugliness.

Vikas Tiwari, an AIDS patient who dies due to cancer. He wants to spread the message of love, fulfilment and laughter. He wrote a comedy in two acts and wanted that all should forget their fear of death and live a comfortable life. Here is play within play. Vikas makes wonderful casting choices. He assigns the roles to everyone- Deepika as hotel manager. Mahesh as Mr Kulkarni, Shanti as Miss Unnikrishanan, Amrindar as Mr Kulkarni, Shanti as Miss Unnikrishanan, Amrindar as Mr Malhotra and Amol as Mr Sengupta. He through his play allows them to express their feelings. Mahesh, a ward boy, was secretly in love with Deepika. Vikas allows Mahesh to express his dreams during performance. Amarindar and Shanti are suffering from the loss of sexuality. He suits both of them. Thus, Vikas weaves the world full of love and happiness.

The title of the play Brief Candle symbolizes that the lives of the characters would not survive for a long time. They

try to do everything before they lose their life. Maheah Dattani kept before us the reality of the cancer patients as well as AIDS patients. Both have to suffer from all the worldly affairs which are devastated. In this regard, Tapashree Ghosh says, "Mahesh Dattani uses cancer both in the literal and metaphorical sense. Cancer not only refers to the deadly disease that mutilates the human body and often leads to slow, agonizing death but is also used as a metaphor for ugliness, abnormality and perversion of thought." (www.bejms.bhattercollege.ac.in)

Mahesh Dattani uses music and dance as a tool in his plays such as Morning Raga and Dance Like a Man respectively. In Bravely Fought the Queen, the thumri develops the atmosphere of romance. In the similar way, in Brief Candle, the chanting of the Maha Mrityunjaya mantra and Hanuman Chalisa referred to remind that death is the predominant theme. Vikas wants to conquer death. So he writes the play to establish his victory over death. He is alive through his play and lives in the memories of all the characters. By presenting the plea of cancer patients, Mahesh Dattani conveys a message that it is the responsibility of the society to take care of them instead of humiliating them. The play Brief Candle deals with the humiliating them. The play Brief Candle deals with the

46

Socio-Cultural lames in Mahesh Dattani's Plays

the cancer patients and death are the prominent themes of the play. Dattani presents a serious matter in a comic way. Mahesh Dattani is a popular dramatist who has established himself as a dramatist, actor, director, dancer, teacher and a screenplay writer. He creates an impact on the contemporary society and encourages other literary artists by drawing their attention towards the burning issues such patients and so on. These issues shatter traditional norms of Indian society. His contemporary dramatist, Manjula of Indian society. He is an important dramatist of the as patriarchy, gender discrimination, eunuch community, homosexuality, child sexual abuse, cancer patients, AIDS Padmanabhan poses same questions in her plays. Dattani draws attention of the audiences / readers towards dark side contemporary era. The playwrights like Vijay Nair and Gautam Raja are highly inspired by Mahesh Dattani. He is considered to be outstanding dramatist and is called avantgarde writer who believes on 'change' in the contemporary Indian English drama and theatre.

# Works Cited and Consulted

 Dattani, Mahesh. "A Note on the Play". Brief Candle. Brief Candle: Three Plays. Penguin Books India, 2000 ..... Brief Candle: Three Plays. Penguin Books India, 2010.
2.Dhawan, R. K., and Tanu Pant, editors. The Plays of Mahesh Dattani: A Critical Response. Prestige Books, 2005.  Jyengar, K. R. S. Indian Writing in English. Sterling Publishers, 2013.  Multani, Angelie, editor. Mahesh Dattani's Plays: . Critical Perspectives. Pencraft International, 2007.
 Fant, Tanu. "Mahesh Dattani: The Face of Indian

Drama". The Plays of Mahesh Dattani: A Critical Response, edited by R. K. Dhawan, and Tanu Pant, Prestige Books, 2005, pp. 22-50.

 Bipinkumar. Dramatic World of Mahesh Dattani: Voices and Visions. Aadi Publications, 2012.

7.www.bcjms.bhattercollege.ac.in/v7/n2/v7n2eng02.pdf.

\$

### bout the Book

Itd volume of the book under the series 'Engrowering Indian Economy' is an to identify impact of slogans, positive or otherwise, an the economy, its ents, and on the people at large. Slogans, basically economic slogans, were the ives between 2014 and 2019 Uniton elections, as they were always be. So, the iden nomics evolved and taken a shape of this volume of book covering 14 research ccepted from across the country and covering topics related to Make in India. Bharat Swasth Bharat, Sabka Suath, Sabka Vikaas, Har Ghar e-Sukshar, Mern hagya Vidhata, Kaushal Bharat, Kushal Bharat, and Gram Swarujya. Chapters in s have been placed in order of policy they represent for uniform understanding of mment initiatives and researchers' observation on their part. The themes covered hapters incorporated in this book will surely fulfill the expectations of readers is from different subjects and Diasporas.

### About the Editors

Pradical since February 2014. He was formerly Assistant Professor in Department of Commerce, IGNTU, Amarkanuk, Madhya Pradesh. At present he has in his credit 20 research papers in national international Journal & one book. He has specialized in Finance, Banking, and Dr. Ashish Kant Chaudhari, is working as Assistant Professor in Faculty of Commerce, Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Journal & one book. He has Human Resource Management.

Dr. Chinmoy Kumar Roy is working as Assistant Professor in Faculty of Commerce. Banaras Hindu University, Varanasi. Uttar Pradesh since February 2014. He did his graduation from Shri Ram College of Commerce. Delhi University and post-graduation from Department of Commerce. Delhi School of Economics. Delhi University. He holds Ph.D. degree in Commerce from Faculty of Commerce. Banaras Hindu University. His subject of specialisation is International Marketing and FIDARCC Dr. Amit Manglani Is working as Assistant Professor in Department of Commerce. Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur. Chhantisgarh since Jamiary 2012. He had been a regular faculty member at Assam University, Diphu Campus, and a faculty member on contractual basis at Raity. Gandin South Campus. (RGSC). Banaras Mindu. University (BHU), Baykuchha, Mirzapur in his earlier academic assignments. He as to bis credit 12 research papers published in reputed national and international journals. He as specialization in Finance and his research interest incorporates FDI. Stock Market Volatility. Spillover Effects, Reall Business. Panel Data Analysis. Hedge Fund Analysis and similar related areas of Finance

# V DELHI PUBLISHERS

Road, Daryaganj, New Delhi-110002 Park, Nasendrapur, Kolkata oom No 208. Vardaan House, Vagar, New Delhi-110059 ilk Vihar, Mohan Garden, ate Office: Offices DIFFERENCE

6-93-88879-86-6 umber: 011-23256188, 9953694312, 9582248909

oublishers@gmail.com

www.ndpublisher.in



Volume Ξ

Ashish Kant Chaudhari **Chinmoy Kumar Roy** Amit Manglani

Price ₹ 995/-

# Empowering Indian Economy O CEANOMI

Volume III

Ashish Kant Chaudhari **Chinmoy Kumar Roy** Amit Manglani



# "Har Ghar e-Sakshar"



2

## An Evaluation of Pradhan Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyan (PMGDISHA)

# Mr. Satyanarayan R Rathi 🤇

Assistant Professor, Department of Commerce, K.K.M. College, Manwat, Dist- Parbbani (MS) India

Emails rathisrr@gmail.com

#### ABSTRACT

Numerous studies have been conducted on digitization and digital India their benefits, threats, opportunities but not a single study have been made to evaluate the benefits of the *Pradian Mantri Gramin Digital* Saksharta Althyan (PMCDISHA) which is implemented to empower the citizens in rural areas by training them to operate computer or digital access devices (like tablets, smart phones etc.), aend and receive e-mails, browse Internet, access Government services, search for information, etc. and hence enable them to use the Information Technology to actively participate in the process of nation building. Without the success of this scheme or digital literacy in rural areas findia can't reach the target of digital India. So, there is need to evaluate the scheme of *Pradhan Mantri Gramin Digital Sakshartu Ahliyum* for its further hetter implementation at the ground level.

Keywords: Pradian Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyaan, PMGDISHA, digitization, digital India, Digital Literacy

### I. INTRODUCTION

According to the 71<sup>st</sup> NSSO Survey on Education of year 2014, just 6% of provincial family units have a PC. This features in excess of 15 crore provincial family units (@ 94% of 16.85 crore families) don't have PCs and a noteworthy number of these families are probably going to be carefully unskilled. The Pradhan Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyan (PMGDISHA)

| 118 Manual Andrews Parkenness Indexe Economy Address III  | An Evoluation of Pradhan Mantri Oramin Digital   |
|---|--|
| being started under Digital India Program would cover 6<br>crore families in provincial territories to make them carefully<br>proficient. Prior, the Government had executed the National<br>Digital Literacy Mission (NDLM) or the Digital Saksharta<br>Abhiyan (DISHA) to confer IT preparing to 52.5 lakh people,<br>including Anganwadi and ASHA labourers and approved   | offers a complete assessment of the Digital India initiative finds<br>gaps and challenges and focus for closing the gaps have been<br>discussed. Reviewing Digitization in Health Care Services in<br>India (Joshi, 2016) the author attempted to describe conceptual<br>understanding and overview with the present trend in digital<br>health care in India and world. This study also addresses issues<br>and challenges in digitization of health care services in India.  |
| apportunt ventures of the non-IT proficient residents are prepared to<br>over so that the non-IT proficient residents are offectively<br>become IT educated in order to empower them to effectively<br>and successfully partake in the just and formative process and<br>furthermore improve their vocation. Computerized Literacy<br>furthermore improve their vocation. Computerized Literacy<br>is the capacity of people and networks to comprehend and<br>utilize modern advances for significant activities inside<br>life circumstances. Carefully educated people would have<br>the option to work on PCs/advanced access gadgets (like<br>tablets. PDAs, and so on.), send and get messages, informed<br>tablets. PDAs, and so on.), send and get messages, informed<br>use of web, get to Government Services, scan for data,<br>use IT to effectively take part during the time spent country<br>undertaking cashless exchanges, and so on and consequently<br>undertaking cashless exchanges, and so on and consequently<br>undertaking cashless exchanges, and so on and consequently<br>use IT to effectively take part during the time spent. Under the<br>computerized proficiency programs on the planet. Under the<br>puliding. PMGDISHA is relied upon to be one of the biggest<br>computerized proficiency programs on the planet. Under the<br>plan, 25 lakh applicants will be prepared in the FY 2016-17;<br>plan, 25 lakh in the FY 2017-18; and 300 lakh in the FY 2016-17;<br>plan, 25 lakh in the FY 2017-18; and 300 lakh in the FY 2016-17;<br>plan, 25 lakh in the FY 2017-18; and 300 lakh in the FY 2016-19<br>. To guarante impartiality geographically, every one of the<br>2,50,000 Gram Panchayats would be relied upon to enroll a<br>normal of 200-300 competitors. | Digital India: Green Tab knowledge café (Bharat Bhagtani, 2016). He analysed the feasibility of business model of e-library through primary research and henefits of it. Author expects it will reach its breakeven point in two years. Digital India is Achievable but it has its Setoff Challenges: (Aruna Sundararajan, 2016). This study explains the achievements and concerns around digital India. Rani (2016) concluded that the digital India project provides a huge opportunity to use the latest technology to redefine India the paradigms of service industry. It also pointed out that many projects may require some transformational process, reengineering, refinements to achieve the desired service level objectives. Midha (2016) concluded that digital India is a great plan to develop India for knowledge future but its improper implementation due to inaccessibility and inflexibility to requisite can lead to its failure. Though digital India programme is facing number of challenges yet if properly implemented it can make the best future of every citizen. So we Indians should work together to shape the knowledge economy. |
| 2. REVIEW OF LITERATURE   | 3. OBJECTIVES OF THE STUDY   |
| A Study of New-Age e-Entrepreneurship in India (Arjuna<br>Kumar Sahu1, 2015) Arjuna Kumar explore Digital India<br>and other initiative like National Digital Literacy Mission  | <ol> <li>To take brief overview of Pradhan Mantri Gramin Digital<br/>Saksharta Abhiyan (PMGDISHA)</li> <li>To find out problems in Pradhan Mantri Gramin Digital<br/>Saksharta Abhiyan (PMCDISHA)</li> </ol>   |
| (NDLM) penetration of mobile phone and users has changed.<br>raised in significant number and pattern of users has changed.<br>E-Governance and Digital India Empowering Indian Citizens  | <ol> <li>To give suggestions for implementation of Pradhan Mantri<br/>Gramin Digital Saksharta Abhiyan (PMGDISHA)</li> </ol>   |

through Technology: (Deloitte, ASSOCHAM, 2015) Deloitte

119

| <ul> <li><b>4. RESEACH METHODOLOGY</b></li> <li><b>5. I Implementing Agens</b>:</li> <li><b>5. I Implementing</b>:</li> <li><b>5. I Implementing Agens</b>:</li> <li><b></b></li></ul> | 320 Stopmoness hapowering helkin Economy bidome III   | An Evaluation of Pradhan Manuri Gramin Digital | tantri Gramin Digital. 123  |
|---|---|--|---|
|   | 4. RESEARCH METHODOLOGY   | 5.1 Implementing Ager                          | ncy   |
|   | As the research paper is of conceptual and review natu<br>the researcher has applied exploratory research design<br>using varied secondary data availed from the seconda<br>data sources. Based on the secondary data and review, t   |  | lemented by CSC e-Governance Services<br>al Purpose Vehicle (SPV) incorporated<br>i Act 1956 now Companies Act 2013,<br>vas 'CSC-SPV') with active collaboration  |
|   | researcher has reported on various emerging trends and issu<br>and challenges in Pradhan Mantri Gramin Digital Saksha   |  | ments and UT Administrations.   |
|   | Abhiyan (PMGDISHA). Research report, journal a<br>newspaper articles from eminent writers have been reviewe   |  | each qualified rustic family would he   |
|   | 5. PRADHAN MANTRI GRAMIN DIGITAL SAKSHARTA<br>ABHIYAN (PMGDISHA)  |  | iteracy important to their needs over<br>jective gathering would be in the age<br>. So as to give better portraval to socially  |
|   | Abhiy   | 1  | restimated networks, due inclination<br>ST BPL Minorities ladies and diversely.   |
| crore people, one part from each<br>II Gram Panchyats in States/UTs,<br>proficient. The goal of the plan<br>a provincial zones via preparing<br>erized get to gadgets (like tablets,<br>d so on.), send and get messages,<br>armment administrations, scan for<br>equently empower them to utilize<br>$\gamma$ to effectively take part during<br>ling. The Scheme plans to connect<br>explicitly focusing on the country<br>derestimated segments of society<br>Scheduled Tribes (ST), Minorities,<br>ladies and in an unexpected way  | declaration made by Hon'ble fund serve during the associat<br>spending plan 2016-17 to give computerized proficier<br>explicitly in provincial zones. PMGDISHA was affirmed by  |  | uld be given to non-cell phone clients,<br>ts, school drop-outs, members of the<br>ucial.   |
|   | legislature in February 2017.   |  | unework 2   |
|   | PMCDISHA would cover 6 crore people, one part from e-<br>qualified family unit over all Gram Panchyats in States/L<br>and make them carefully proficient. The goal of the p<br>is to enable the residents in provincial zones via prepar<br>them to work PC or computerized get to gadgets (like table<br>advanced mobile phones and so on.), send and get messa<br>peruse Internet, get to Government administrations, scan<br>data, and so forth and consequently empower them to util<br>the Information Technology to effectively take part duri<br>the time spent country building. The Scheme plans to continue<br>the time spent country building. The Scheme plans to continue<br>populace including the underestimated segments of soci<br>like Scheduled Castes (SC)/Scheduled Tribes (ST), Minorit<br>Below Poverty Line (BPL), ladies and in an unexpected v<br>abled people. |  | s and Information Technology would<br>cy support and would monitor the<br>at the Central level. The CSC-SPV will<br>ration with the State Government/UT<br>ooth implementation of the Scheme in<br>T. District e-Governance Society (DeGS)<br>istrate/ District Collector would play a<br>it mile implementation and monitoring<br>the Scheme at the ground level would<br>olvernent of Training partners/ Centres<br>filiated with the CSC-SPV. The Scheme<br>' using the affiliated Training Partners/<br>as done in NDLM/ DISHA schemes. |

| Ingamonics Empervering Indian Economy Volume I | 31              |
|--|-----------------|
| gammics Empowering Indian Economy Volum        | 2               |
| gammics Empiriering Indian Econom              | ahume           |
| gammics Empiriering Indian Econom              |                 |
| gammics Empiricating I                         | Source.         |
| gammics Empower                                | Indian          |
|  | gammics Empower |
|  |                 |

Efforts would be made to increase the number of training partners to around 2500 and the Training Centres (including CSCs) to about 2.5 Lakhs spread across the country.

# 5.4 Role of a Training Partner

- A training partner shall be responsible to own or set up the Training Centres in the identified Districts/ Blocks/ Gram. Panchayats that would impart digital literacy training to the candidates.
- A training partner shall be responsible for ensuring that the training centres adhere to the scheme requirements.
  - A training partner shall be accountable for monitoring the overall working of the centres under its purview.
- A training partner shall be liable for accurate and timely reporting of the aforementioned work ascribed in respect of its Centres
  - Detailed Norms for the Training Partners shall be as per Standard Operating Procedure (SOP) published by CSC-SPV.

The Training Partners shall set up the Training Centres in the selected Gram Panchayats with the appropriate manpower and requisite and infrastructure. They are required to meet the following criteria:

# 5.5 Role of Training Centres

- Enrolling the candidates for the course.
- Imparting appropriate training to candidates.
- Marking the attendance and conducting continuous assessment using the Online Monitoring Applicationcum-Learning Management System.
- Keeping a record of all candidates enrolled in the course, certifying their attendance and ensuring that the candidates appear for the online examination.

An Evoluation of Pradhan Montri Gramte Digital ...

123

- Training centre shall provide support and assistance for at least two years after the training is over.
- Ensuring achievement of learning outcomes for each candidate. Digital Literacy Training Content.
- The course 'Appreciation of Digital Literacy' has been developed with the aim of making a person IT literate, whereby he can operate a computer/ digital access devices (like smart phone, tablets, etc.), send and receive emails and search internet for information. The curriculum was developed in 2014 in consultation with various agencies like UNE5CO , NASSCO M, Intel, IGNOU, NIELIT, National Institute of Open Schooling (NIOS),Indian Institute of Mass Communication (IIMC), IT for Change, Open Knowledge Network India, and Digital Empowerment Foundation.

# 6. ACHIEVEMENTS OF PRADHAN MANTRI GRAMIN DIGITAL SAKSHARTA ABHIYAN (PMGDISHA)

The Government has affirmed a plan titled "Pradhan Mantri Gramin Digital Saksharta Abhiyan (PMGDISHA)" to introduce computerized proficiency in rustic India by covering 6 crore provincial families (one individual for every family unit) by 31st March, 2019. This is in accordance with the declaration 17. To guarantee evenhanded topographical come to, every one of the 2,50,000 Gram Panchayats would be relied upon to crore competitors have been prepared and in excess of 54 akh have been guaranteed. As on March, 2019, 2.16 crore made by Hon'ble Finance Minister in the Union Budget 2016-2018, under the PMGDISHA Scheme, more than 1.09 crore applicants have been selected, out of which more than 1.08 and-comers prepared and more than 1.20 crore applicants enroll a normal of 200-300 competitors. As on 28th February competitors have been selected, out of which 2.14 crore upaffirmed by appropriately perceived outsider evaluation/ affirmation offices.

122:

| 124 Stopanomics Empowering Infinit Economy Fahane III  | Art Evoluation of Pradhan Mantri Gramin Digital  |
|--|--|
| 7. PROBLEMS RAISED WITH IMPLEMENTATION OF<br>PRADHAN MANTRI GRAMIN DIGITAL SAKSHARTA<br>ABHIYAN (PMGDISHA)   | ₹ 3,000 to ₹ 4,000 but for PMGDISHA, they have paid only<br>₹ 300 per candidate which makes the course non-profitable for<br>training centers.   |
| In the first half of 2017, the government launched the Pradhan   | 7.4 Formalities Burden   |
| Mantri Gramin Digital Dassnatio Automotion is crore people<br>even bigger scheme with a target to train six crore people<br>by March 31, 2019, and a budget of $\gtrless$ 2,351 crores. However,<br>two impact assessment studies of the digital literacy mission  | For each candidate, a trainer is supposed to feed Aadhar and<br>bank details, seek approval from the sarpanch for panchayat<br>documents, verify e-mail address, form digital lockers and fill   |
| commissioned by the government have reported poor results<br>in meeting some targets as well as problems in the programme's<br>involvementation. These reports coupled with the on-ground  | makes it very time consuming and it cannot be possible within<br>the assigned two hours of training task.  |
| experience of agencies involved in implementing the first two  | 7.5 Daplication of Beneficiaries   |
| the government can truly claim to have made India digitally<br>literate.   | The first impact assessment study, conducted by the research<br>and advocacy group Council for Social Development, found<br>that two-thirds of the beneficiaries of the scheme were not  |
| 7.1 Unavalability of Computers   | eligible for it. The eligibility criteria states that one member   |
| Each training centre has only limited computers, which<br>restricts individual training. Trainers teach on a single screen<br>shared by a group of students.   | of a household where nobody between the ages of 14 years<br>and 60 years is information technology literate can participate<br>in the programme. "The all-India picture reveals that 74.3%<br>of the trained beneficiaries belong to families with one IT-   |
| 7.2 Limited Course Duration  | liferate member, and almost 12 states have crossed the national  |
| The course demands two-hour training for ten days to each<br>shident in total 20 hours. But if a student wants to practice the   | average, said the report, which covered the first back of candidates.  |
| tought activities the student may fail to that because of limited<br>access in the training centres and unavailability of digital<br>equipment at home. This can be a major problem faced in the<br>village areas. Also there are no fixed timings for the classes | It added that one in four candidates came from families where<br>two to four members were digitally literate. The study also<br>found that 23.7% of families sent more than one member for<br>training. The states that reported the highest duplication rates<br>were Raiasthan (71%). Puducherry (49.5%) and Uttar Pradesh |
| under PMGDISHA. Candidates usually computer resources<br>online test because of the unavailability of computer resources<br>for practice.  | (28.8%). The government said in its defence that family members of beneficiaries may have received digital training in the period after the training programme and before the survey.  |
| COLORED TO A COLORDINATION CLASSES ACCOUNTS ACCOUNTS   |  |

7.3 Non-Profitable for Training Centres

Training centers charges for other courses which range between

6

e

| 124 Signments Euroweeing Indon feenong Valume III   | An Evaluation of Pradhan Mantri Gramin Digital   |
|---|--|
| 7. PROBLEMS RAISED WITH IMPLEMENTATION OF<br>PRADHAN MANTRI GRAMIN DIGITAL SAKSHARTA<br>ABHIYAN (PMGDISHA)                        | ₹ 3,000 to ₹ 4,000 but for PMGDISHA, they have paid only ₹ 300 per candidate which makes the course non-profitable for training centers. |
| In the first half of 2017, the government launched the Pradhan  | 7.4 Formalities Burden   |
| even bigger scheme with a target to train six crore people  | For each candidate, a trainer is supposed to feed Aadhar and<br>bank details, seek approval from the sarpanch for panchayat              |
| by March 31, 2019, and a pueder we value interacy mission<br>two impact assessment studies of the digital literacy mission        | documents, verify e-mail address, form digital lockers and fill<br>outcome forms, apart from the daily two hours training which          |
| in meeting some targets as well as problems in the programme's implementation. These reports coupled with the on-ground           | makes it very time consuming and it cannot be possible within<br>the assigned two hours of training task.                                |
| experience of agencies involved in implementing the first two<br>phases of the mission suggest there is much to be done before    | 7.5 Duplication of Beneficiaries   |
| the government can truly claim to have made India digitally<br>literate.  | The first impact assessment study, conducted by the research<br>and advocacy group Council for Social Development, found                 |
| 7.1 Unavalability of Computers  | that two-thirds of the beneficiaries of the scheme were not<br>eligible for it. The eligibility criteria states that one member          |
| Each training centre has only limited computers, which  | of a household where nobody between the ages of 14 years<br>and 60 years is information technology literate can participate              |
| restricts individual training. trainers teach on a sugar second shared by a group of students.                                    | in the programme. "The all-India picture reveals that 74.3% of the trained beneficiaries belong to families with one IT-                 |
| 7.2 Limited Course Duration   | literate member, and almost 12 states have crossed the national  |
| The course demands two-hour training for ten days to each<br>student in total 20 hours. But if a student wants to practice the    | average," said the report, which covered the first batch of candidates.  |
| tought activities the student may fail to that because of limited<br>access in the training centres and unavailability of digital | It added that one in four candidates came from families where<br>two to four members were digitally literate. The study also             |
|   | tound that 23.7% of families sent more than one member for<br>training. The states that reported the highest duplication rates           |
| under PMGDISHA. Candidates usually come only for the<br>online test because of the unavailability of computer resources           | were Rajasthan (71%), Puducherry (49.5%) and Uttar Pradesh<br>(28.8%). The government said in its defence that family                    |
| for practice.   | members of beneficiaries may have received digital training in<br>the period after the training programme and before the survey.         |

7.3 Non-Profitable for Training Centres

Training centers charges for other courses which range between

| 126 Stopponentics Empowering Indian Economy Volume III   | An Evoluation of Pradhan Mantri Gramm Digital 127   |
|--|---|
| 7.6 Rate of Failure  | be upgraded to support govt's flagship scheme. (Bhardwaj T<br>2019) *   |
| The registered students most of the time do not fail because<br>the online test consists of 25 questions out of which if seven are   | 8. SUGGESTIONS  |
| correctly answered, the candidate passes the test. As per the trainers, 20 of the 25 questions are normally repeated, so the   | The government has listed the following steps which it has<br>taken for the proper implementation of PMGDISHA:  |
| rate of fautre is almost equal to negugione, pomer, inc  | <ul> <li>Scaling up the awareness and promotional activities<br/>towards Digital literacy program.</li> </ul>   |
| 7.7 Coverage of Area Under Scheme  | <ul> <li>Run campaigns, workshops, seminars, digital vans,<br/>etc.</li> </ul>  |
| The southern States of the country are tagging permut when<br>it comes to the enrollment and training of candidates under<br>the buddhen Mantel Cramin Dioital Saksharta Abhivan     | <ul> <li>Identify and register new Training centres in uncovered<br/>villages across the country.</li> </ul>  |
| (PMGDISHA), a scheme which aims to impart digital  | <ul> <li>To address the issue of low internet connectivity in<br/>rural India, Wifi-choupals to be established.</li> </ul>  |
| showed. The southern States of Telangana, Andhra Pradesh,<br>Tamil Nadu, Kerala and Karnataka had significantly lower  | <ul> <li>Rural schools to be engaged for training and<br/>examination of candidates.</li> </ul>   |
| number of "students registered" and "certified students"<br>than that of Assam, Bihar, Gujarat, Chhattisgarh, Haryana,<br>Jharkhand, Madhya Pradesh, Maharashtra, Rajasthan, Odisha, | Along with the above government suggestions researcher<br>have listed few more suggestions based on the empirical study<br>those are under  |
| and Uttar Fradesh. In fact among the Junes will be a source in the 25,116 registered   | <ol> <li>There should be separate training centres for this scheme.</li> </ol>  |
| students, only 9,416 got certified. In contrast, Uttar Pradesh<br>had the highest number of enrollment with 55 lakh, and 32  | <ol> <li>Skilled Trainers should be recruited by the government<br/>for successful implementation of the scheme.</li> </ol>   |
| lakh getting certified. (Indian Express 2019) <sup>7</sup>   | <ol> <li>Each training centre should have the computer system<br/>equal to that of registered candidate.</li> </ol>   |
| 7.8 Financial Support<br>In Budget 2019, PMGDISHA program would need sufficient  | <ol> <li>The course should increase the training duration two-<br/>hour training for nore than 30 days to each student. And<br/>the training should be given in the batches of students.</li> </ol> |
| training 6 crore people by 2020. The government argues that it<br>is because of low rural internet connectivity, lack of awareness   | <ol><li>The student attendance should be made compulsory with<br/>the biometric devices.</li></ol>  |
| about the benefits of being digitally literate, geographical<br>challenges in far-flume areas and other infrastructure related   | <ol> <li>Student should be given extra time for practice the digital<br/>activities.</li> </ol>   |
| issues. These points to the fact that not just the Digital India program needs a push, digital infrastructure in India needs to  | <ol><li>The test questions should not be repeated.</li></ol>  |
|  |   |

3333333333333

0000

C

| Stogeneous: Engovering Indian Economy Valume III   | Ant | An Evaluation of Pradman Manuel Gramin Digital 129  |
|--|-----|---|
| accessful completion of course, students should  |     | creation (pp. 57-68), Ahmedabad: Gujarat Technological<br>Univesity,  |
| ntion.<br>should not be any duplicates of beneficiaries  | ઌં  | Bharat Bhagtani, B.B. (2016). Digital India: Green tab knowledge<br>cafe. Developing Indian Economy an Engine job creation (pp. 322-<br>333). Ahmedabad: Gujarat Technological University.  |
| ry area.<br>with the northern states, the southern States of<br>ana, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Kerala and  | 4   | https://www.huffingtonpost.in/entry/modis-<br>pet-digital-literacy-scheme-is-failing-hard_in_<br>5c401d04e4b041e98Haa614  |
| aka should also be covered under the scheme<br>ively.  | ыć  | https://www.financialexpress.com/budget/budget-2019-<br>pmgdisha-needs-more-support-to-achieve-digital-literacy-<br>targets/1627549/)   |
| p digital infrastructure.  | ġ   | Rani Suman(2016). Digital India: Unicashing Prosperity.Indian<br>Journal of Applied Research, volume-6, Issue 4, pp187-189 .  |
| ON<br>vas approved by the government in February<br>f the study conducted for digitization and<br>how boosfite threats opportunities but not a   | ĸ   | Midha Rahul (2016). Digital India: Barriers and Remedies.<br>International Conference on Recent Innovations in Sciences,<br>Management, Education and Technology, Retrieved from http://<br>data. Conference world in/ICISMET/P256-261. Pdf                                     |
| alke for the evaluation of the Pradhan Mantri<br>I Saksharta Abhiyan which is implemented for<br>itizens in rural areas by training them to operate<br>igital access devices. Researcher concludes that  | tó  | Deloitte, ASSOCHAM (2015). Deloitte Retrieved from<br>Deloitte: https://www2.deloitte.com/content/dam/Deloitte/<br>in/Document/technology-media-telecommunications/in-<br>timtempowering- india-citizens through-technology-noexp.<br>pdf                                       |
| tri Gramm Orgital Datasitation of the initial stage but<br>cessfully implemented in the initial stage but<br>cross some problems which makes it partially<br>Researcher has highlighted the problematic<br>propriate suggestions are framed according to | ō.  | Anuna Sundararajan, A.U. (2016). The economic times in<br>collaboration with ERICSSON Presents. Retrieved from The<br>Economic Times: economictimes.indiatimes.com/digital-<br>india-is achevable-but-it has-its-set-ofchallenges/ challenges/<br>changemakersshow/48900738.cms |
| e. The suggestions will demately improve us<br>tri Gramin Digital Saksharta Abhiyan scheme<br>and will be more successful in the coming days.<br>CES   | 10. | http://www.newindianexpress.com/states/tamil-<br>nadu/2019/aug/05/south-indian-states-lagging-behind-<br>in-implementing-pm-gramin-digital-saksharta-<br>abhiyan-2014326.html] [The New Indian Express<br>Published: 05th August 2019 11:08 AM                                  |
| umar Sahu1, D. M. ( 2015). Digital India: A Study<br>ge e-Entrepreneurship in India. Siddhant, 110-116.  |     |   |

10. REFERENC

Arjuna Kun of New-Age 4

Joshi, D. (2016). Reviewing digitization in healthcare services in India. Developing Indian Economy an Engine of Job ei

After suc be given digitizat œ

There sl from any 6

Along wi Telangan Karnata respectiv 10.

11. More ret to setup

### 9. CONCLUSIO

PMGDISHA wa digital India th single study me empower the cit Pradhan Mantr it has come acr areas and appr the study done Pradhan Mantr performance an computer or dig has been succe 2017. Most of Gramin Digital unsuccessful.